सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

वर्ष- 15 अंक - 295 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, बुधवार 7 अगस्त 2024 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

सीजीपीएससी स्कैम मामले में सीबीआई की दबिश

बिलासपुर में कांग्रेस नेता तो दुर्ग व धमतरी में पूर्व अफसरों के घर पहुंची टीम

पूर्व चेयरमेन सोनवानी के घर भी जांच

सीबीआई सीजीपीएससी के पूर्व चेयरमैन टामन सिंह सोनवानी के घर भी पहुंची। कुरूद के सर्बदा गांव स्थित मकान में सीबीआई पीएससी घोटाले की जांच करती रही। गौरतलब है कि सीजीपीएससी केस में इससे पहले सीबीआई 15 जुलाई को छत्तीसगढ़ पहुंची थी। उस दौरान भिलाई में टामन सिंह सोनवानी के नेहरु नगर के ठिकानों पर सर्च ऑपरेशन चलाया गया था। टामन सिंह सोनवानी सीजीपीएससी के पूर्व अध्यक्ष हैं।

श्रीकंचनपथ न्यूज़ डेस्क

रायपुर। सीजीपीएससी घोटाला मामले में सीबीआई आज एक बार फिर छत्तीसगढ़ के अलग-अलग शहरों में पहुंची। रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर में सीबीआई के ताबड़तोड़ छापे पड़े हैं। बिलासपुर में कांग्रेस नेता राजेंद्र शुक्ला और दुर्ग जिले के भिलाई में पूर्व आईएएस के ठिकानों पर सीबीआई सारा दिन फाइलें खंगालती रही। धमतरी में सीजीपीएससी के पूर्व अध्यक्ष टामन सिंह सोनवानी के घर भी रेड पड़ी है।

सीजीपीएससी स्कैम में जांच करने सीबीआई छत्तीसगढ़ में है। बिलासपुर में कांग्रेस नेता राजेंद्र शुक्ला के निवास पर सीबीआई की टीम पहुंची। 5 से 10 सदस्यीय सीबीआई की टीम राजेंद्र शुक्ला के बिलासपुर के यदुनंदन नगर और तिफरा स्थित पुराने और नए घर में पहुंची। कांग्रेस नेता राजेंद्र शुक्ला के बेटे स्वर्णिम शुक्ला का चयन आदिमजाति कल्याण विभाग के असिस्टेंट डायरेक्टर पद पर हुआ था। इसे लेकर जांच की जा रही है।

वहीं, भिलाई में पूर्व आईएएस अधिकारी अमृत खलको के घर पर सीबीआई की टीम ने दबिश दी। भिलाई के तालपुरी ए ब्लॉक स्थित निवास में सीबीआई के 20 से ज्यादा अधिकारी पहुंचे। बता दें लोकसेवा आयोग परीक्षा 2021 के परिणाम में अमृत खलको के बेटे और बेटी दोनों का सलेक्शन हुआ था। बेटी नेहा का 13वां रैंक जबकि उनके बेटे निखिल ने 17वीं रैंक हासिल की थी। दोनों डिप्टी कलेक्टर बन गए हैं। अमृत खलको गवर्नर के पूर्व सेक्रेटरी के साथ-साथ कई जिलों में एडीएम रहते हुए नगर निगम के कमिश्नर भी रहे हैं।

रसूखदारों का हुआ था सलेक्शन

छत्तीसगढ़ में साल 2020 और 2022 में सीजीपीएससी परीक्षा हुई। परीक्षा के दौरान डिप्टी कलेक्टर, डीएसपी सहित सीनियर पदों के लिए लोगों का चयन किया गया, उस पर परीक्षार्थियों ने सवाल खड़े कर दिए। आरोप था कि सीजीपीएससी में आईएएस, आईपीएस और सिर्फरसूखदारों का सेलेक्शन हुआ है। मामले में काफी हंगामे के बाद साय सरकार ने 6 मार्च 2024 को सीजीपीएससी भर्ती की जांच सीबीआई से कराने की अधिसूचना जारी कर दी। जिसके बाद छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग के पूर्व चेयरमैन टामन सिंह सोनवानी के खिलाफकेस दर्ज किया गया। इसके बाद से सीबीआई छत्तीसगढ़ में छापामारी कर रही है।

खास-खबर

छत्तीसगढ़ में अब तक 709.7 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

रायपुर। राज्य शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा बनाए गए राज्य स्तरीय नियंत्रण कक्ष द्वारा संकलित जानकारी के मुताबिक एक जून 2024 से अब तक राज्य में 709.7 मिमी औसत वर्षा दर्ज की जा चुकी है। राज्य के विभिन्न जिलों में 01 जून 2024 से आज 07 अगस्त सवेरे तक रिकार्ड की गई वर्षा के अनुसार बीजापुर जिले में सर्वाधिक 1602.5 मिमी और सरगुजा जिले में सबसे कम 333.1 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी है। राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष से प्राप्त जानकारी के अनुसार एक जून से अब तक सूरजपुर जिले में 597.8 मिमी, बलरामपुर में 891.3 मिमी, जशपुर में 535.3 मिमी, कोरिया में 599.8 मिमी, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में 598.1 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी।

इसी प्रकार, रायपुर जिले में 644.5 मिमी, बलौदाबाजार में 774.9 मिमी, गरियाबंद में 703.5 मिमी, महासमुंद में 535.9 मिमी, धमतरी में 693.1 मिमी, बिलासपुर में 672.5 मिमी, मुंगेली में 707.3 मिमी, रायगढ़ में 589.5 मिमी, सारंगढ़-बिलाईगढ़ में 378.2 मिमी, जांजगीर-चांपा में 644.5 मिमी, सक्ती 551.4 कोरबा में 815.8 मिमी, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही में 649.9 मिमी, दुर्ग में 471.9 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी। कबीरधाम जिले में 572.3 मिमी, राजनांदगांव में 774.6 मिमी, मोहला-मानपुर-अंबागढ़चौकी में 892.8 मिमी, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई में 530.0 मिमी, बालोद में 821.4 मिमी, बेमेतरा में 428.6 मिमी, बस्तर में 804.5 मिमी, कोण्डागांव में 758.9 मिमी, कांकेर में 977.9 मिमी, नारायणपुर में 890.2 मिमी, दंतेवाड़ा में 945.0 मिमी और सुकमा जिले में 1032.7 मिमी औसत वर्षा एक जून से अब तक रिकार्ड की गई।

छत्तीसगढ़ में फिर भारी बारिश का अलर्ट

श्रीकंचनपथ न्यूज़ डेस्क

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मौसम विभाग ने एक बार फिर से भारी बारिश की संभावना जताई है। रायपुर और बिलासपुर संभाग के सभी जिलों में झमाझम बारिश होने की संभावना है। इसके अलावा भी सात जिलों में भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के मुताबिक प्रदेश में मानसून की गतिविधियों में फिर तेजी आने की संभावना है। प्रदेश के कुछ इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश भी हो सकती है।

मौसम विभाग के मुताबिक पश्चिम बंगाल के गंगामय क्षेत्र में एक ऊपरी चक्रवात बनता नजर आ रहा है, जिसका असर प्रदेश के मौसम पर भी देखने को मिलेगा। जबकि एक ट्रफ लाइन भी छत्तीसगढ़ से गुजर रही है, जिससे प्रदेश में नमी बनने से बारिश की संभावना फिर से बन गई है। मौसम ने मंगलवार के बाद से ही करवट ली थी और शाम के वक्त भी कई जिलों

में तेज बारिश का दौर शुरू हो गया था.

प्रदेश में 10 फीसदी ज्यादा बारिश

छत्तीसगढ़ में इस बार के मानसून सीजन में अच्छी बारिश हुई है। प्रदेश में औसतन बारिश की बात की जाए तो इस बार 10 प्रतिशत ज्यादा बारिश हुई है। मौसम विभाग के मुताबिक छत्तीसगढ़ में अब तक 647.3 प्रतिशत बारिश होनी चाहिए थी, लेकिन अब तक कुल 714 प्रतिशत पानी गिर गया है, यानि 10 प्रतिशत ज्यादा पानी गिर गया है।

रायपुर-बिलासपुर भी भीगेंगे

मौसम विभाग ने रायपुर और बिलासपुर संभाग के सभी जिलों में भी बारिश का अलर्ट जारी किया है। बीते 24 घंटे के दौरान भी यहां के कुछ जिलों में अच्छी बारिश हुई थी। जबकि आने वाले दो दिनों में यहां फिर से तेज बारिश होने के आसार बन रहे हैं। बता कि मानसून की जून की शुरुआत में कुछ दिनों तक कमजोर रहा था, लेकिन बाद में मानसून की गतिविधियों में तेजी आई और झमाझम बारिश का दौर शुरू हो गया था। मौसम विभाग के मुताबिक, बिलासपुर, कोरिया, एमसीबी, जीपीएम, सूरजपुर और दुर्ग जिलों में भी अच्छी बारिश की संभावना है।

भारत समेत 16 देशों में जानलेवा रोगाणु डब्ल्यूएचओ ने किया सतर्क

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाइपर विरुलेंट क्लेबसिएला निमोनिया (एचवीकेपी) नामक एक नए रोगाणु को लेकर विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने सभी देशों के लिए चेतावनी जारी की। यह एक ऐसा रोगाणु है, जो स्वस्थ लोगों में जानलेवा संक्रमण पैदा कर सकता है। अस्पताल में भर्ती मरीज या फिर आबादी दोनों में इस संक्रमण का प्रसार हो सकता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने यह जानकारी 127 में से 43 देशों से सूचना एकत्रित करने के बाद दी है। 43 में से 16 देशों में एचवीकेपी रोगाणु के मामले सामने आने की पुष्टि हुई है, जिसमें भारत भी शामिल है। डब्ल्यूएचओ के अनुसार, अब तक अल्जीरिया, अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, कंबोडिया, हांगकांग, भारत, ईरान, जापान, ओमान, पापुआ न्यू गिनी, फिलीपींस, स्विट्जरलैंड, थाईलैंड, यूनाइटेड किंगडम ऑफ ग्रेट ब्रिटेन और उत्तरी आयरलैंड के अलावा अमेरिका में मामले सामने आए हैं। इनके अलावा 12 देशों में इस रोगाणु का नया स्ट्रेन एसटी 23-के1 भी सामने आया है। यह देश भारत, अल्जीरिया, अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, ईरान, जापान, ओमान, फिलीपींस, स्विट्जरलैंड, थाईलैंड और यूनाइटेड किंगडम शामिल हैं।

बाबाधाम के लिए स्पेशल ट्रेन

श्रीकंचनपथ न्यूज़ डेस्क

भिलाई। देवघर का श्रावणी मेला इसी माह शुरू हो रहा है। हर साल श्रावणी मेला में कई राज्यों और पड़ोसी देश से लाखों की संख्या में श्रद्धालु देवघर आते हैं और बाबा के दर्शन करते हैं। मेले में भारी भीड़ को देखते हुए इस बार भी रेलवे ने खास तैयारी कर रखी है। वहीं छत्तीसगढ़ के श्रद्धालुओं के लिए भी खास सुविधा देखते हुए देवघर जाने के लिए रेलवे ने स्पेशल ट्रेन चलाई है।

बता दें कि बाबा के दर्शन के लिए रेलवे ने गोंदिया-भागलपुर श्रावणी स्पेशल ट्रेन चलाने का ऐलान किया है। 9 अगस्त को दोपहर 11.20 बजे गोंदिया से ट्रेन रवाना होगी और 11 अगस्त को भागलपुर से लौटेगी। इस स्पेशल ट्रेन के रूट में दो राज्य छत्तीसगढ़ और ओडिशा के श्रद्धालुओं को फायदा मिलेगा।

गोंदिया-भागलपुर-गोंदिया श्रावणी त्योहार स्पेशल गोंदिया से 9 अगस्त को एवं विपरीत दिशा में भागलपुर से 10 अगस्त को चलेगी। इस ट्रेन का स्टॉपेज दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के डोंगरगढ़, राजनांदगांव, दुर्ग, रायपुर, तिल्दा नेवरा, भाटापारा, बिलासपुर, अकलतरा, चांपा, बाराद्वार, सक्ति, खरसियां, रायगढ़, ब्रजराजनगर में दिया गया है। यह ट्रेन 9 अगस्त को गोंदिया से 11.20 बजे छूटकर 10 अगस्त को 06.10 बजे जसीडीह, 08.50 बजे किऊल स्टेशन होते हुए गंतव्य को रवाना होगी।

इसी प्रकार विपरीत दिशा में भागलपुर से 10 अगस्त को 13.35 बजे रवाना होकर 16.00 बजे किऊल स्टेशन, 18.17 बजे जसीडीह स्टेशन होते हुए 11 अगस्त को 16.20 बजे गोंदिया पहुंचेगी। इस ट्रेन में सामान्य श्रेणी, शयनयान श्रेणी, एसी- 3, एवं एसी-2 सहित 20 कोच रहेगी।

भारत का बड़ा फैसला

बांग्लादेश से उच्चायोग-कॉन्स्युलेट के गैर-आवश्यक कर्मचारियों को वापस बुलाया

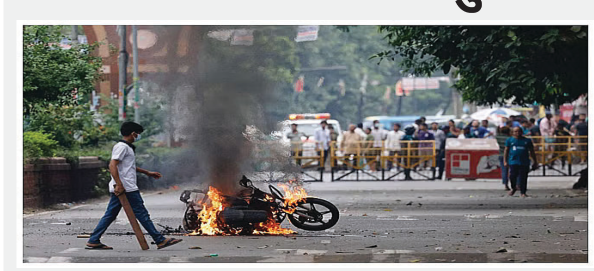

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश में जारी सियासी उथल-पुथल के बीच भारत ने उच्चायोग और वाणिज्य दूतावास में तैनात गैरजरूरी कर्मचारियों को वापस बुलाने का फैसला किया है। इसे लेकर सरकार ने एडवायजरी भी जारी की है। गौरतलब है कि बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना फिलहाल भारत में हैं। दूसरी तरफ बांग्लादेश में हिंदुओं के घरों और मंदिरों पर हमले भी जारी हैं। ऐसे में स्थिति के संवेदनशील होने के बाद भारत ने पूरे घटनाक्रम पर करीब से नजर रखी है।

ढाका में भारतीय उच्चायोग और वाणिज्य दूतावास में तैनात गैरजरूरी कर्मचारियों और उनके परिवारों की वापसी वाणिज्यिक उड़ान जरिए हुई है। सभी राजनयिक फिलहाल उच्चायोग में ही रहेंगे। सूत्रों ने बताया कि उच्चायोग में काम जारी रहेगा।

बांग्लादेश में फंसे भारतीयों को वापस लाया गया

बांग्लादेश में फंसे भारतीयों को वापस लाने के लिए एयर इंडिया और इंडिगो ने बांग्लादेश की राजधानी ढाका के लिए विशेष उड़ानें संचालित कीं। इसके जरिए 400 से अधिक लोगों को भारत लाया गया। एक अधिकारी ने बताया कि एयर इंडिया की विशेष उड़ान से बुधवार सुबह छह बच्चों समेत 205 लोगों को भारत लाया गया। इंडिगो ने भी एक बयान जारी कर कहा कि ए321 नियो विमान से संचालित चार्टर्ड उड़ान मंगलवार रात ढाका से रवाना हुई थी और इसके जरिये छह बच्चों व 199 वयस्कों सहित 205 लोगों को भारत लाया गया।

इंडिगो ने अपने बयान में कहा, ढाका हवाई अड्डे के अस्थायी रूप से बंद होने के बाद इंडिगो ने छह अगस्त 2024 को ढाका से कोलकाता के लिए विशेष उड़ान 6ई 8503 संचालित की। यह उड़ान बांग्लादेश से भारतीय नागरिकों को वापस लाने के लिए संचालित की गई। एयरलाइन ने कहा कि भारत और ढाका के बीच बुधवार से उड़ानों का संचालन फिर से शुरू होगा। बता दें कि इंडिगो दिल्ली, मुंबई और चेन्नई से एक दैनिक उड़ान, जबकि कोलकाता से दो दैनिक उड़ान ढाका के लिए संचालित करती है।

बुधवार से ढाका के लिए संचालित होंगी उड़ानें

एअर इंडिया भी दिल्ली से ढाका के बीच अपनी दो दैनिक उड़ानों को बुधवार से संचालित करेगी। इसके साथ विस्तारा भी बुधवार से तय समयसारिणी के अनुसार ढाका के लिए उड़ानों का संचालन करेगी। बांग्लादेश में सरकारी नौकरियों में कुछ खास लोगों के एक वर्ग के लिए आरक्षण प्रणाली के खिलाफ जुलाई के मध्य से छात्रों के विरोध प्रदर्शन शुरू हुए थे। जिसके बाद इन प्रदर्शनों ने हिंसक रूप ले लिया। जिसमें कई लोगों की जान चली गई।

पदक विजेता मनु भाकर कोच के साथ लौटीं भारत, दिल्ली में हुआ भव्य स्वागत

नई दिल्ली (एजेंसी)। पेरिस ओलंपिक 2024 में भारत के लिए दो पदक जीतने वाली मनु भाकर बुधवार को स्वदेश लौटीं। दिल्ली एयरपोर्ट पर पहुंचते ही पहले से उनके इंतजार में खड़े फैंस ने निशानेबाज का भव्य स्वागत किया। इस दौरान मनु के माता-पिता भी मौजूद रहे।

मनु के साथ उनके कोच जसपाल राणा का भी जोरदार स्वागत हुआ। मनु ने कहा 'बेहद खुशी है इतना प्यार मिल रहा हैं।' फैंस ने ढोल-नगाड़ों के साथ दोनों का जोरदार स्वागत किया। वहीं, कुछ फैंस को मनु के

साथ सेल्फी लेने का भी मौका मिला।

ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर को लेने उनके माता-पिता एयरपोर्ट पहुंचे। उनके चेहरे पर बेटी की जीत की खुशी साफतौर पर झलक रही थी। उनके माता-पिता ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि मनु ने जो उपलब्धि हासिल की है वह किसी भी माता-पिता के लिए गर्व की बात है। मनु की मां सुमेधा भाकर ने कहा, मनु के लिए जो लोगों का अत्यधिक प्रेम है, उसे देखकर अत्यंत प्रसन्न हूं। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर ने फैंस का धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, एयरपोर्ट और होटल में जिस तरह से मेरा स्वागत किया गया, उससे मुझे बहुत अच्छा लगा। मुझे बहुत खुशी है कि देश के लोग मुझे इस तरह से सपोर्ट कर रहे हैं।

भारत ने अब तक जीते तीन पदक

भारत ने पेरिस ओलंपिक में अब तक तीन पदक जीते हैं और ये तीनों पदक कांस्य रहे हैं। मनु भाकर ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा, मनु ने सरबजोत के साथ मिलकर 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित स्पर्धा और स्वप्निल कुसाले ने 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन स्पर्धा में कांस्य पदक अपने नाम किए थे।

पड़ोसी देश के हालात पर चिंता

श्रीकंचनपथ

बांग्लादेश के ताजा हालात पर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने संसद में चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि वहां लोग सड़कों पर हैं, हिन्दुओं को निशाना बनाया गया है। अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना ने देश छोड़ दिया है। पड़ोसी देश में तेजी से बदलते घटनाक्रम खुद भारत के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। बांग्लादेश की शिक्षित आबादी और विद्यार्थियों ने राजनीतिक चेतना की एक नई मिसाल पेश की है। सत्ता के खिलाफ संघर्ष के बीच उन्होंने उस खतरे को भी भांप लिया था जो ऐसे आंदोलनों का फायदा उठाते हैं। उन्हें पता था कि हिंसा की घटनाओं के बीच ऐसे अवसरवादी तत्वों को भी मौका मिल सकता है जो हिन्दुओं तथा अन्य अल्पसंख्यकों से नफरत करते हैं। ऐसे लोग आंदोलन की आड़ में उनकी हत्या कर सकते हैं, उनकी संपत्ति लूट सकते हैं। इसलिए उन्होंने मंदिरों तथा हिन्दू बस्तियों की सुरक्षा का अपने स्तर पर बंदोबस्त कर लिया था। बांग्लादेश में हिन्दू 8 प्रतिशत से कुछ अधिक तथा ईसाई आबादी लगभग एक प्रतिशत की है। बांग्लादेश की घटनाओं ने दो किरदारों को सामने ला दिया है। कभी एक दूसरे के प्रबल समर्थक रहे ये दोनों किरदार आज एक दूसरे के धुर विरोधी हैं। इनमें से पहली हैं शेख हसीना और दूसरे हैं नोबेल विजेता मोहम्मद युनूस। शेख हसीना के पास अपने पिता बंगबंधु शेख मुजीबुर्रहमान की विरासत है। वे स्वयं 20 साल से अधिक समय तक बांग्लादेश की प्रधानमंत्री रही हैं। 77 वर्षीय हसीना अब बांग्लादेश की शिक्षित आबादी की आंखों की किरकिरी हैं। राजनीतिक निर्वासन झेल रही हसीना को अब अपने ही देश में खतरा है। भारत, ब्रिटेन, अमेरिका कोई भी देश उन्हें शरण देने के मूड में नहीं है। वहीं मोहम्मद युनूस को ग्रामीण बांग्लादेश की गरीबी मिटाने का अग्रदूत माना जाता है। हसीना से 7 साल बड़े युनूस उनके पिता के भी मित्र रहे हैं। प्रोफेसर युनूस उसी अर्थशास्त्र को फिजूल का विषय बता चुके हैं जिसे कभी वो पढ़ाते थे। उन्होंने माइक्रोफाइनेंस और ग्रामीण बैंक का एक ऐसा नजीर पेश किया जिसे विश्व के 100 से अधिक देशों ने अपनाया। जनवरी 2007 में बांग्लादेश पर सेना को कब्जा करना पड़ा था। शेख हसीना और खालिदा जिया दोनों ही भ्रष्टाचार के आरोप में जेलों में बंद थीं। तब युनूस को प्रधानमंत्री बनाने की पेशकश की गई थी जिसे उन्होंने ठुकरा दिया था। पर अब वे इस जिम्मेदारी के लिए तैयार बताए जा रहे हैं। हसीना युनूस का मजाक भी उड़ाती रही हैं। देश की हर दुश्वारी का ठीकरा युनूस पर फोड़ने की कोशिश करती रही हैं। यहां तक कह गई हैं कि युनूस को पद्मा (गंगा) नदी में डुबो देना चाहिए। इन छिछोरी टिप्पणियों पर तालियां भले ही बजी हों पर इससे आर्थिक-राजनीतिक हालात नहीं बदले। फिलहाल फोकस वहां के युवाओं पर। जिस राजनीतिक सूझबूझ और गतिशीलता का परिचय बांग्लादेश के छात्र समुदाय ने दिया है, उससे विश्व की शिक्षित युवा आबादी को प्रेरणा लेनी चाहिए।

संपादकीय

मौत के घर

सर्वोच्च न्यायालय की एक ताजा तल्ख टिप्पणी अब इतिहास में दर्ज हो गई है। न्यायालय ने दोटूक कह दिया कि वास्तव में ये स्थान (कोचिंग सेंटर) मौत के घर बन गए हैं। सबसे खास पहलू यह है कि अदालत ने कोचिंग सेंटर हादसे का स्वयं संज्ञान लिया है। ऐसे कम ही अवसर आते हैं, जब सर्वोच्च न्यायालय किसी मसले को स्वयं संज्ञान योग्य समझता है। अत: संज्ञान लेते हुए न्यायालय ने जो उद्गार प्रकट किए हैं, उसके शब्दों को सकारात्मक रूप में लेने की जरूरत है।

इसमें कोई शक नहीं कि 27 जुलाई को मध्य दिल्ली के ओल्ड राजिंदर नगर में एक आईएएस कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में तीन सिविल सेवा अभ्यर्थियों की मौत कोई सामान्य घटना नहीं है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने उचित ही कहा है कि कोचिंग सेंटर देश के विभिन्न हिस्सों से आने वाले अभ्यर्थियों के जीवन के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं।

सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्र और दिल्ली सरकार को नोटिस जारी करने के साथ ही, यह भी कहा है कि यह घटना आंखें खोलने वाली है और किसी भी संस्थान को तब तक संचालन की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए, जब तक कि वह सुरक्षा मानदंडों का पालन नहीं करता है। मतलब, कोचिंग संस्थान तब तक ऑनलाइन काम कर सकते हैं, जब तक कि वे सुरक्षा मानदंडों और बुनियादी सुविधाओं को पूरा नहीं करते हैं। यह बात किसी से छिपी नहीं है कि कोचिंग आज एक बड़ा व्यवसाय है, कोचिंग संस्थानों के बीच कमाने की होड़ लगी है और हर संस्थान ज्यादा से ज्यादा छात्रों को अपने दायरे में लाना चाहता है। यह बहुत दुखद है कि ऐसे संस्थानों का फोकस छात्रों की सुरक्षा और शिक्षा की गुणवत्ता पर नहीं है। अनेक ऐसे संस्थान हैं, जिन्होंने शुरू में बहुत उम्दा काम किया, छात्रों व युवाओं का सही मार्गदर्शन किया, पर अब वे शिक्षा की दुकान की तरह बन गए हैं, जहां पैसे का तो मूल्य है, पर जीवन और शिक्षा की गुणवत्ता हाशिये पर धकेल दी जा रही है। सर्वोच्च न्यायालय अगर ऐसे प्रतिकूल या बिगड़े हुए माहौल में आमूलचूल सुधार की कोशिशों को आगे बढ़ा सके, तो हमारी शिक्षा व्यवस्था के लिए इससे बेहतर और कुछ नहीं हो सकता। न्यायालय की भावना के अनुरूप ही सरकारों को नियम-कायदों की रूपरेखा तैयार करनी चाहिए।

यह बहुत जरूरी है कि न्यायालयों की गंभीरता बनी रहे, तभी समस्याओं को जड़ से उखाड़ा जा सकेगा। वैसे, गौर करने की बात है कि दिल्ली उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को ही कोचिंग हादसे की जांच दिल्ली पुलिस से लेकर केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को सौंप दी है। उच्च न्यायालय भी यह चाहता है कि जनता को जांच पर कोई संदेह न हो। मतलब, सीबीआई के हाथों में एक बड़ी जिम्मेदारी है। इस प्रकरण में दूध का दूध और पानी का पानी करना होगा। अव्वल तो दोषियों की पहचान जरूरी है और दूसरी बात, दोष घटित होने की पूरी प्रक्रिया को समझना भी आवश्यक है। मामला किसी एक संस्थान की खामी का नहीं है, बल्कि समग्रता में व्यवस्था की लापरवाही या उदासीनता का है। यह जानना ही होगा कि ऐसे जानलेवा संस्थानों को चलाने और बचाने के जतन करने वाले लोग कैसे काम करते हैं? अगर खामियों का सही खुलासा हुआ, तो कोचिंग संस्थानों के संचालन की नीति बनाने में सुविधा होगी। पुख्ता समाधान तक न्यायालयों की सक्रियता बनी रहनी चाहिए।

आम बजट से साल भर लोगों के जीवन प्रभावित

अमरेंद्र कुमार राय

जो चीज आसान है, समझ में आती है, उसमें लोग खूब दिलचस्पी लेते हैं। लेकिन जो चीज मुश्किल होती है, उससे लोग कन्नी काटने लगते हैं। अपनी अर्थव्यवस्था और राजनीति को ही देख लीजिए। अर्थव्यवस्था कम लोगों की समझ में आती है जबकि राजनीति ज्यादातर लोग समझते हैं। इसीलिए राजनीति पर आप हर किसी को बात करते देखते हैं जबकि अर्थव्यवस्था से लोग कन्नी काट जाते हैं। लेकिन आर्थिक खबरें भले समझ में न आएं, टेढ़ी हों, पर उनका आम आदमी के जीवन पर सीधा असर पड़ता है। इसीलिए साल भर में एक दिन पेश किया जाने वाला आम बजट पूरे साल भर लोगों के जीवन को प्रभावित करता है। बजट वो चीज है जो तय करती है कि अगले साल भर आपको क्या चीज सस्ती मिलने वाली है, और क्या चीज महंगी। आपको मकान खरीदने में दिक्कत आने वाली है, या रोजगार के अवसर बढ़ने वाले हैं, या घटने वाले हैं। विदेशों से माल आयात करना आसान होगा या मुश्किल हो जाएगा।

23 जुलाई को पेश किया गया आम बजट भी कुछ ऐसा ही है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जो बजट पेश किया है, उसमें क्या है..इस बजट का लाभ किसको मिलेगा?..किसानों को, मजदूरों को, दिहाड़ी करने वालों को, गरीबों को, नौकरीपेशा लोगों को, व्यापारियों को या मध्यमवर्गीय लोगों को..कुछ विशेषज्ञों का कहना है कि इस बार का बजट जिस तरह से पेश किया गया है, उससे अपने देश के लोगों का फायदा कम और किसी दूसरे देश को फायदा ज्यादा नजर आ रहा है। निर्मला सीतारमण ने जब बजट पेश करना शुरू किया तो टीवी चैनलों ने ब्रेकिंग न्यूज चलानी शुरू की कि आयात शुल्क कम किया गया। कई मामलों में तो शून्य कर दिया गया। टीवी चैनलों से ज्यादा पता नहीं चल पाया कि किन-किन चीजों पर आयात शुल्क कम किया गया है, और कितना कम किया गया है? साथ ही इसका फायदा किसे मिलेगा..आम आदमी को, आयात करने वाले व्यापारियों और उद्योगपतियों को या फिर उस देश को जहां से भारत में ये चीजें आयात की जा रही हैं।

विशेषज्ञों ने बाद में जब इस बजट का गहराई से अध्ययन किया तो पाया कि इससे तो चीन का बहुत ज्यादा फायदा होने जा रहा है। जिन चीजों पर से आयात शुल्क कम किया गया है, या शून्य कर दिया गया है, वो ज्यादातर चीजें चीन से आयात की जाती हैं। तो एक तरफ देश में कुछ लोग जहां लोगों से अपील करते हैं कि चीन के सामान का बॉयकाट करें वहीं दूसरी तरफ सरकार ऐसा बजट पेश कर रही है कि भारतीय बाजार चीन के माल से पट जाएं। चीन और भारत के बीच व्यापार करीब सवा सौ बिलियन डॉलर का है। इसमें अगर हांगकांग का व्यापार भी जोड़ दें तो यह करीब डेढ़ सौ बिलियन डॉलर सालाना का हो जाता है। 2023-24 में दोनों देशों के बीच 116 बिलियन डॉलर का व्यापार हुआ था जिसमें 101 बिलियन डॉलर का चीन से आयात किया गया था और हमने महज 15 बिलियन डॉलर का निर्यात किया था। मतलब यह कि व्यापार एकतरफा करीब-करीब सात गुना चीन के पक्ष में झुका हुआ है। अगर हांगकांग का 30-35 बिलियन डॉलर का व्यापार और जोड़ दें तो उसमें भी 23-24 बिलियन डॉलर का व्यापार घाटा और जुड़ जाता है। इस तरह करीब 150 बिलियन डॉलर के व्यापार में हम महज 22-25 बिलियन डॉलर का निर्यात करते हैं, और सवा सौ बिलियन डॉलर का आयात।

इस बजट में मुख्य रूप से चार क्षेत्रों में आयात शुल्क में भारी कटौती की गई है। एक, रेयर अर्थ एलीमेंट, दो, सोलर सेल्स, तीन, मेडिकल अप्लाएंसेज और चार, इलेक्ट्रॉनिक्स। इन चारों क्षेत्रों में भारत करीब 80 प्रतिशत उत्पाद का आयात चीन से करता है। बजट में इन चारों क्षेत्रों में ही आयात शुल्क में भारी कटौती की गई है। रेयर अर्थ एलीमेंट, इलेक्ट्रॉनिक्स और सोलर सेल्स में आयात शुल्क शून्य कर दिया गया है। मेडिकल अप्लाएंसेज में भी आयात शुल्क घटाकर किसी में 7 प्रतिशत, किसी-किसी में तो 5 प्रतिशत तक तो किसी-किसी में 2.5 प्रतिशत तक कर दिया गया है। इसका मतलब यह हुआ कि इन सभी क्षेत्रों में चीन से आयात और ज्यादा बढ़ जाएगा। यहां जो मेक इन इंडिया का नारा दिया गया था और जिन कुछ लोगों ने इस क्षेत्र में स्टार्टअप्स शुरू किए थे, वो सभी एक झटके में ही मटियामेट हो जाएंगे। कहना न होगा कि इस बजट से चीन को जबर्दस्त फायदा होने वाला है। अब तो मन में यह सवाल भी उठने लगा है कि यह बजट हिंदुस्तान को ध्यान में रखकर बनाया गया है या चीन को..? दरअसल, आम बजट घरेलू स्तर पर आर्थिक हालात बेहतर करने की कवायद ही नहीं है, बल्कि आयात शुल्क के जरिए आयात-निर्यात के मोर्चे पर भी संभावनाओं को उजली करने का काम करता है।

(ये लेखक के विचार हैं)

नजरिया

आगजनी, लूटपाट और हत्या के बेकाबू भंवर में बांग्लादेश

बांग्लादेश अराजकता के एक ऐसे भंवर में फंस चुका है, जिसे बेकाबू बनाकर शेख हसीना मुल्क छोड़कर निकल चुकी हैं। सोमवार को उन्होंने बांग्लादेश का भविष्य फौज के हाथों में सौंप दिया। उन्हें तो राष्ट्र के नाम अंतिम संबोधन के लिए भी समय नहीं दिया गया और उनके घर को लूटपाट के लिए खुला छोड़ दिया गया।

सुबीर भौमिक, वरिष्ठ पत्रकार

जीत का जश्न मना रही भीड़ ने उनके पिता शेख मुजीबुर्रहमान की प्रतिमा तक को तोड़ डाली। कट्टरपंथी उन्मादी जमात का उत्पात बदस्तूर जारी है, जिसे रोकने का कोई गंभीर प्रयास नहीं किया जा रहा। भीड़ के निशाने पर पुलिस, अवामी लीग के नेतागण, अल्पसंख्यक समुदाय और धर्मनिरपेक्ष चेहरे हैं।

सोमवार को खून-खराबे और तबाही का जो तूफान आया, वह मंगलवार को भी जारी रहा। आकलन है कि सोमवार को महज एक दिन में 786 लोगों की मौत हुई, 76 पुलिस स्टेशनों में आग लगा दी गई और वहां पर रखे हुए हथियार लूट लिए गए, बैंकों की 14 शाखाएं लूटकर आग के हवाले कर दी गईं, अवामी लीग नेताओं और अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों के 30,000 घर जला दिए गए, टीवी चैनलों सहित 11,000 व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में तोड़फोड़ की गई, 37 पावर ग्रिड स्टेशनों, ट्रेन के 39 डिब्बे, 29 पेट्रोल पंप आदि सभी स्वाहा कर दिए गए हैं, 23 मंदिरों और गिरिजाघरों को भी ध्वस्त कर दिया गया है। उन्मादी आमतौर पर अवामी लीग के नेताओं, कार्यकर्ताओं और सुरक्षा बलों, विशेषकर पुलिस को निशाना बना रहे हैं।

हालांकि, राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में सेना प्रमुख जनरल वकार उज जमां ने शांति बहाल करने और नई सरकार के गठन की 'पूरी जिम्मेदारी' ली है, पर पिछले दो दिनों की हिंसक घटनाओं और सेना की प्रतिक्रिया ने जवाब से ज्यादा सवाल खड़े किए हैं। यह समझा जा सकता है कि कोई पेशेवर सेना शांतिपूर्ण विरोध कर रहे निहत्थे छात्रों पर गोली चलाना पसंद नहीं करती, लेकिन लूटपाट में शामिल तत्वों या पुलिस स्टेशनों और वर्दीधारियों पर हमले करने वाले कट्टरपंथियों को खुली छूट देना, किसी भी तरह से उचित रवैया नहीं है।

बहरहाल, शेख हसीना का यूं सत्ता से बाहर होना हमारी चिंता का भी एक बड़ा कारण है। जिस आरक्षण-विरोधी आंदोलन की शिकार बांग्लादेश सरकार बनी है, उसमें भारत-विरोधी भावना प्रबल थी। यह भावना अब अपने चरम पर पहुंचती दिख रही है, क्योंकि शेख हसीना नई दिल्ली आ चुकी हैं। इसलिए अब वहां जो भी नई सरकार बनेगी, चाहे वह सेना समर्थित अंतरिम सरकार हो या कोई निर्वाचित हुकूमत, उसका भारत के प्रति लगाव कम हो सकता है। इसकी पूर्वपीठिका बनती हुई दिख रही है, क्योंकि नोबेल विजेता मोहम्मद यूनुस का यह बयान आया है कि 'जब भारत कहता है कि बांग्लादेश में हिंसा उसका आंतरिक मामला है, तो हमें दुख होता है।' जाहिर है, द्विपक्षीय रिश्तों में गर्माहट बनाए रखने की एक बड़ी चुनौती अब हमारे सामने है।

बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की मुखिया खालिदा जिया खुलेआम कह रही हैं कि अवामी लीग के समय भारत के साथ जितने समझौते हुए थे, उन सभी की जांच और समीक्षा की जाएगी। लिहाजा, वहां की परियोजनाओं पर अनिश्चितता के बादल मंडराने लगे हैं। हो सकता है कि इनको खत्म न किया जाए, लेकिन नई सरकार में इनकी रफ्तार जरूर धीमी की जा सकती है। इसी तरह, वहां के अल्पसंख्यकों और धर्मनिरपेक्ष बांग्लादेशियों की सुरक्षा भी एक गंभीर मसला है, जिसका तत्काल समाधान आवश्यक है। इनमें से ज्यादातर सीमा पार करके शरण लेने की कोशिश कर सकते हैं। अगर ढाका में व्यवस्था अनुकूल नहीं बन पाती, तो इसका किस तरह हल निकाला जाएगा, इस पर नजर बनी रहेगी। वैसे, कुछ इसी तरह की चिंता उन कट्टरपंथी जमातों व जातीय अलगाववादियों को लेकर भी होगी, जिनसे हसीना सरकार के समय सख्ती से निपटा गया था, पर अब जिन्हें बांग्लादेश में खाद-पानी मिलने की आशंका प्रबल है।

बहरहाल, बांग्लादेश-प्रकरण का एक सबक तो स्पष्ट है। जब तक आम लोगों की धारणा अनुकूल न हो, द्विपक्षीय रिश्ते स्थिर नहीं हो सकते, फिर चाहे सरकारों का आपस में भले ही कितना अच्छा संबंध क्यों न हो?

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

नए एक्सटेंशन वाली दिशा में आगे बढ़ते मोहन यादव

प्रकाश भटनागर

किसी अच्छे काम को आगे ले जाना समझदारी है। वैसे भी मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री भले ही बदले हों लेकिन सरकार में वहीं राजनीतिक दल है जिसकी प्रदेश में जड़े बहुत गहरी जम चुकी हैं। इसलिए ऐसे में किसी काम को सिरा पकड़कर सिरे से नया तथा उल्लेखनीय रूप देना उस समझदारी में चार चांद लगाने जैसा है। मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की सरकार ने हाल ही में इस तरह की नीति और नीयत, दोनों का एक बार फिर ठोस तरीके से परिचय दिया है।

प्रदेश में उज्ज्वला योजना का लाभ पा रही 46 लाख लाड़ली बहनों को गैस सिलेंडर पर सब्सिडी जारी रखी जा रही है। इस साल अगस्त में तो सभी लाड़ली बहनों को राखी के उपहार के तौर पर ढाई सौ रूपए के शगुन का लाभ भी बरकरार रखा गया है। इस बात में कोई संशय नहीं कि डा. यादव के पूर्ववर्ती शिवराज सिंह चौहान ने अपने समय में महिला कल्याण से संभावनाओं के निर्माण' वाला अद्भुत फामूर्ला लागू कर जबरदस्त तरीके से भाजपा को सियासी लाभ दिलाया था। चौहान ने लाड़ली लक्ष्मी से लेकर लाड़ली बहना योजना तक के सफर में अनेक ऐसे पड़ाव स्थापित किए, जिनसे भाजपा को तगड़ा राजनीतिक माइलेज मिला।

यही वजह रही कि जब राज्य में डा. मोहन यादव मुख्यमंत्री बने, तब मुख्य विपक्ष कांग्रेस ने सरकार पर यह कहकर ताबड़तोड़ प्रहार किए कि लाड़ली बहना योजना अब बंद की जा रही है। जाहिर है कि कांग्रेस भी इस बात को भांप चुकी थी कि यदि लोकसभा चुनाव में प्रदेश में भाजपा को कमजोर करना है, तो उसके महिलाओं से जुड़े कार्यक्रमों और लगभग भाजपा का वोट बैंक बन चुकी महिलाओं के लाभ की योजनाओं को ही टारगेट करना होगा। इस दल ने विधानसभा चुनाव से पहले भी महिलाओं को सम्मान निधि और सस्ते सिलेंडर देने की बात कहकर शिवराज की योजनाओं को काउंटर करने का प्रयास किया था। कांग्रेस दोनों ही अवसरों पर असफल रही। खासतौर से लोकसभा चुनाव में ऐसा होने की प्रमुख वजह यह कि डा. मोहन यादव ने इस दिशा में टस से मस हुए बगैर %जस की तस धर दीनी चदरिया' से भी एक कदम आगे जाकर शिवराज के कार्यक्रमों को गति और प्रगति प्रदान की।

लाड़ली बहना योजना तो बदस्तूर जारी है, डा. मोहन यादव ने शुरू में बताए गए और भी महिला-हितैषी निर्णयों के माध्यम से इस दिशा में नए काम शुरू कर दिए हैं। यह एक तरह से वह एक्सटेंशन भी है, जो किसी चले आ रहे' को चलते ही जाना है' वाला नवाचार भी प्रदान करता है। इसे एक उदाहरण से समझ सकते हैं। जब सरकार यह बात लागू करती है कि वह गर्भवती महिलाओं को मुफ्त सोनोग्राफी जांच की सुविधा देगी, तो यह शिवराज की जननी सुरक्षा योजना का एक ठोस तथा निर्णायक एक्सटेंशन ही कहा जाएगा।

मामला निश्चित ही सियासी मुनाफे वाला है। वर्ष 2003 में उमा भारती ने प्रदेश के घरों के भीतर तक जाकर राजनीतिक मुद्दों को हवा दी। घरों में बिजली की कमी और सड़कों पर गड्ढों के ऐसे विषय प्रमुखता से उठाए, जो सीधे परिवार से जुड़ी समस्याओं को छूते हैं। दिग्विजय सिंह चुनावी मैनेजमेंट की थ्योरी में मगन रहे और उमा ने अपने ऐसे मुद्दों के जरिए कहानी घर-घर की' वाली शैली में प्रदेश की जनता के दर्द को सीधे भुना लिया। फिर शिवराज। उन्होंने घर में भी महिलाओं की शक्ति पर खास फोकस किया। नतीजा सामने है। अब डॉ. मोहन यादव भी इस दिशा में न सिर्फ आगे बढ़ चुके हैं, बल्कि वे नवाचार भी अपना रहे हैं। अब भले ही इसके जरिए महिला वोटरों को भाजपा से जोड़े रखने की रणनीति पर अमल किया जा रहा हो, लेकिन तुष्टिकरण और जात-पात की राजनीति से बहुत अलग यह मामला औरों के मुकाबले अधिक साफ-सुथरा' कहा ही जा सकता है।

खास बात यह भी कि डा. यादव के आधी आबादी से जुड़े ऐसे फैसले एक पूरे विश्वास को भी आकर देते दिखते हैं। वह यह कि इन कदमों से यह सन्देश और संकेत भी जाता है कि सरकार लाड़ली बहना योजना की राशि को तीन हजार रुपए प्रतिमाह करने की दिशा में भी आगे बढ़ सकती है। आखिर मामला स्त्री शक्ति को और शक्ति देकर खुद के लिए सियासी शक्ति के संचय में वृद्धि करने की कोशिश का जो ठहरा। शिवराज से लेकर डा. मोहन यादव तक को देखते हुए इस दिशा में एक और बात कही जा सकती है। वह यह कि आखिरकार काम बोलता है।

उत्तरप्रदेश के बीते विधानसभा चुनाव में प्रियंका वाड्रा ने उत्तरप्रदेश में लड़की हूं, लड़ सकती हूं' का नारा दिया। मध्यप्रदेश के पिछले विधानसभा चुनाव में इस पार्टी की ऐसे कोशिशों का पहले ही जिक्र किया जा चुका है। लेकिन दोनों ही राज्यों में भाजपा ने कांग्रेस के पंजे से यह मुद्दे छीन लिए। दोनों ही जगह कांग्रेस की इन कोशिशों से पहले भाजपा की सरकारें असरकारी तरीके से यह जता चुकी थीं कि वे इस दिशा में अपने किए और कहे के बीच अधिक अंतर की गुंजाइश नहीं रखती हैं। अब यही काम डा. मोहन यादव कर रहे हैं और उसके चलते ही यह कहा जा सकता है कि वह अपनी पार्टी की नीति को एक सिरे से पकड़कर उसे नए सिरे से उल्लेखनीय रूप देने की दिशा में आगे बढ़ चले हैं।

(ये लेखक के विचार हैं)

वंचितों के पक्ष में ऐतिहासिक फैसला

अजय दीक्षित

प्रधान न्यायाधीश डी. वाई ई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली सात सदस्यीय संविधान पीठ ने 6-1 के बहुमत से ऐतिहासिक फैसला दिया है कि राज्यों को अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) में उप- वर्गीकरण करने का अधिकार है। इसका अर्थ है कि इन समूहों के भीतर और अधिक वंचित जातियों को आरक्षण का लाभ दिया जाये । अगर इस फैसले को ईमानदारी और पारदर्शी तरीके से लागू किया गया तो हाशिये पर खड़े लोगों को लाभ पहुंचाने की दृष्टि से ज्यादा परिणामदायी हो सकता है। शीर्ष अदालत ने इसी के साथ एससी और एसटी समूहों के भीतर भी आरक्षण के मद्देनजर मलाईदार (क्रीमीलेयर) की पहचान करके उसे आरक्षण से बाहर करने की व्यवस्था दी है। अभी तक मलाईदार तवके का सिद्धांत केवल अन्य पिछड़ा वर्ग (ओवीसी) आरक्षण में ही लागू है ।

सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने वाले दिनों में भारतीय राजनीति में नया अध्याय जोड़ेगा। सभी राजनीतिक दल अपने-अपने हितों के लिए आरक्षण का इस्तेमाल करते रहते हैं। देश में आरक्षण लागू होने के बाद प्राय: यही देखा जाता है कि इन जाति समूहों में जो अधिक ताकतवर हैं, वे आरक्षण का लाभ उठाने में सफल हो जाते हैं और जो कमजोर हैं उन्हें कुछ नहीं मिलता। ये कुछ पाने की आस में इंतजार करते रह जाते हैं। सभी इस तथ्य से परिचित हैं कि ओबीसी में जो वंचित हैं वे भी शिक्षा और रोजगार पाने में सफल हो जाते हैं लेकिन एससी और एसटी समूह को यहां तक पहुंचने के ज्यादा अवसर प्राप्त नहीं होते। वस्तुत: देश के सार्वजनिक क्षेत्र में रोजगार सिकुड़ रहे हैं और निजी क्षेत्र में रोजगार अनिश्चितताओं से भरा है। जाहिर है ऐसे में स्थिर रोजगार की प्राप्ति के लिए आरक्षण की मांग भी वढ़ती जा रही है। कुछ समृद्ध और ताकतवर जातियां भी आरक्षण के लिए आन्दोलनरत हैं। आजकल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी जातिगत जनगणना को बड़ा मुद्दा बनाने की जिद ठाने हुये हैं। मान लिया जाये कि जातिगत जनगणना हो भी जाये तो क्या उससे सभी को रोजगार मिल जायेगा।

सच तो यही है कि आरक्षण रोजगार का विकल्प नहीं हो सकता। इतना जरूर है कि एससी और एसटी में लगातार नये-नये समूह जुड़ते जा रहे हैं। इसलिए इस श्रेणी के आरक्षण में मलाईदार तबके की पहचान के लिए उनसे जुड़े आंकड़ों का सही तरीके से विश्लेषण करने की आवश्यकता है। अगर सरकारें ऐसा करने में सफल सिद्ध होती हैं तो वंचितों को आरक्षण का लाभ मिल पायेगा और सही मायनों में आरक्षण का लक्ष्य पूरा हो सकेगा ।

बारिश हो रिमझिम-रिमझिम तो बढ़े भूजल का स्तर

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

श्रावण का महीना और रिमझिम रिमझिम बरसात आज बीते जमाने की बात हो गई है। सही मायने में देखा जाए तो पिछले दो-तीन दशक की पीढ़ी तो रिमझिम बरसात या यों कहे कि सावण की झड़ी को तो देखना दूर की बात जानती भी नहीं होगी। एक समय था जब श्रावण में बरसात की झड़ी लग जाती थी और कई कई बार तो तीन-तीन, चार-चार दिन तक भगवान भास्कर के दर्शन मात्र को तरश जाते थे। इससे होता क्या था झरी लगती थी तो पानी सीधे जमीन में जाता था, जमीन की प्यास बुझती थी और जब प्यास बुझने लगती तो भूजल का स्तर बढ़ने लगता था। आज हालात दूसरे हैं। तेज बरसात आती हैं और बरसात का पानी भूमि की प्यास बुझाने के स्थान पर बह कर चला जाता है। कहने को तो वर्षा का ओसत तो पूरा दिखाई दे जाता हैं, सामान्य वर्षा के आंकड़ें भी पूरे हो जाते हैं पर बरसात का अधिकांश पानी बह कर निकल जाता है या फिर बाढ़ या शहरों की खराब ड्रेनेज व्यवस्था के कारण एकत्रित हो जाता है और फिर मक्खी-मच्छरों का स्थल बनकर बीमारी का प्रमुख कारण बन जाता है। क्योंकि अब तो रिमझिम बरसात का स्थान तेज वर्षा लेती जा रही है, एक दिन में ही रेकार्ड बरसात के समाचार आते हैं और इस कारण पानी भूजल स्तर को बढ़ाने की जगह बह जाता है।

दरअसल यह सब जलवायु परिवर्तन का कारण है तो दूसरी और अंधाधुंध पेड़ों की कटाई, वनों और गांवों को शहरों में तब्दील कर कंक्रिट का जंगल विकसित करने और इससे भी दो कदम आगे प्राकृतिक जल स्रोतों को नष्ट करना या उन्हें लगभग समाप्त कर कॉलोनियां विकसित कर देना रहा है। दरअसल हमारे वास्तुकारों ने शहरों को डिजाइन करते समय यह सोचा ही नहीं की पानी संग्रहण के लिए भी कोई जगहें विकसित हो। यह तो उनके दिमाग में ही नहीं रही। बाकी कसर शहरों में कच्ची जगह तो छोड़ने के प्रयास ही नहीं हुए यहां तक कि फुटपाथ तक पक्के कर दिए गए और सड़क किनारे लगे पेड़ों को भी चारों तरफ से पक्का कर दिया गया ताकि पानी भूमि में कहीं से जा ही नहीं सकें। अन्य कारणों के साथ यह भी एक बड़ा कारण है कि मौसम चक्र पूरी तरह से गड़बड़ाता जा रहा है। सर्दी में सर्दी नहीं, गर्मी में गर्मी नहीं और बरसात में बरसात के हालात नहीं दिखाई देने लगे हैं। हांलाकि आज मानसून के प्रेडिक्शन यानी की संभाव्यता तो लगभग सही सही बताई जाने लगी है पर प्रकृति ने जो अपना खेल दिखाया है वह अपने आप में गंभीर और चिंतनीय है। ऐसा नहीं है कि हालात जानते या समझते नहीं हो, और हालात पर चर्चा करने के लिए दुनिया के देशों के दिग्गज बैठते भी हैं और चर्चा भी करते हैं, कागजों में बड़ी बड़ी रिपोर्ट और रोडमैप भी बनते हैं पर परिणाम सामने हैं।

एक पहलू यह भी है कि भूजल का अत्यधिक दोहन किया गया और यह आज भी बदस्तूर जारी है। कम पानी वाले फसल चक्र के बारें में समय पर सोचा ही नहीं गया। जमीन से पानी खिंचने के लिए पहले कुएं होते थे, उनसे उतना ही पानी निकलता था जितना रिचार्ज हो जाता था, पर कुओं का स्थान बोरिंग और बोर वेल ने ले लिया और धरती में समाये पानी को निचोड़ने में कोई कमी नहीं छोड़ी। ऐसा नहीं है कि समस्या की गंभीरता से अनविज्ञ रहे हो पर जो उपाय किये गये वह नाकाफी होने के साथ ही कारगर सिद्ध नहीं हुए। पिछले तीन-चार दशक से शहरों में वाटर हारवेस्टिंग सिस्टम सरकार स्तर पर बनाने के साथ ही कोलोनाइजर्स को बनाने को कहा जाता रहा और आज भी कहा जा रहा है पर उसकी पोल इसी से पूरी हो जाती है कि कहने को तो वाटर हारवेस्टिंग सिस्टम बना दिये, पैसे भी पूरे लग गए पर उनका स्ट्रक्चर जाने-अनजाने ऐसे बन गए कि यह तो वे ऊंचे बन गए, उन तक पानी पहुंचने की संभावनाएं न्यूनतम रह गई या फिर ऐसी जगह बना दिये गये जहां उनकी उपयोगिता ही नहीं रही। आखिर यह सब कुछ सुनियोजित विकास के नाम पर अनियमित विकास हो कर रह गया। आज बैंगलोर में लोग पानी के लिए तरश रहे हैं। कमोबेस यही हालात देश के अधिकांश हिस्सों में हो रहे हैं या होने की तैयारी में हैं। हालात साफ है धरती को पानी संजोने के लिए मिल ही नहीं रहा। कारण साफ है विकास और सुविधाओं के विस्तार के नाम पर उसके पड़ने वाले साइड इफेक्ट के बारे में तो समय पर सोचा ही नहीं गया। आज पीने के पानी से कई गुणा पानी तो हमें फ्लस के लिए चाहिए। कूलर के लिए चाहिए। किचन गार्डन के लिए चाहिए। यानी कि पानी पीने के लिए उपयोग में आने की तुलना में कई गुणा अधिक अन्य कार्यों में हो रहा है। आवश्यकता इस तरह के फ्लस सिस्टम या अन्य विकल्पों के खोज की है जिससे हालात में सुधार हो। हो क्या रहा है मोटा पैसा खर्च करके एसटीपी बनाये जा रहे हैं। पानी रिसाईकिल का ट्रिटमेंट कर दूसरे कामों में उपयोग करने की भी योजनाएं बनती है। पर कहीं ना कहीं शहरों में थोड़ी थोड़ी दूरी पर पानी संग्रहण के स्रोत विकसित करने ही होंगे ताकि भूजल का स्तर बढ़ सके। इसके साथ ही भूजल के अत्यधिक दोहन को रोकना ही होगा और ऐसी तकनीक विकसित करनी होगी जिससे पेयजल के अतिरिक्त अन्य कार्यों में पानी का सीमित उपयोग करते हुए बेहतर परिणाम प्राप्त कर सके।

(ये लेखक के विचार हैं)

रमन (प्रा.) आई.टी.आई.
Recognised by: NCVT & DGT NEW DELHI, GOVT. OF INDIA
COPA
कोपा
STENOGRAPHER (Hindi)
स्टेनोग्राफर (हिन्दी)
योग्यता 10वीं उत्तीर्ण
(एक वर्षीय पाठ्यक्रम) - प्रवेश प्रारंभ
प्रवेश लेने पर फीस में विशेष छूट
एवं फीस मासिक किस्तों में
शासन द्वारा प्रदत्त छात्रवृत्ति योजना
Raman I.T.I. : बाबा दीप सिंह नगर (वैशालीनगर), भिलाई, जिला-दुर्ग, छ.ग.
Call : 0788-4033571, 7389471941, 0788-4903573 4903572, 7773027492

श्रीकंचनपथ
भिलाई–दुर्ग

ITR फाईल बनवाएं मात्र 499/-
• TDS रिफंड • GST रजिस्ट्रेशन • इनकम TAX फाइल
• प्रोजेक्ट रिपोर्ट • MSME रजिस्ट्रेशन • GST रिटर्न फाइल
• CMA DATE • फूड लाइसेंस • BALANCE SHEET
हमारे TAX EXPERT आपकी मदद हेतु तैयार हैं
संपर्क : शेखर गुप्ता, मो. 93007-55544, 8878655544
D-6 सेक्टर-2, गुरुद्वारा के सामने देवेन्द्र नगर रायपुर

खास खबर

81 ग्रामीणों ने उठाया नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का लाभ

भिलाई। सेल–भिलाई इस्पात संयंत्र के तत्वाधान में निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व विभाग (सीएसआर) द्वारा नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन अपने आस–पास के परिधीय क्षेत्रों एवं खदान क्षेत्रों में किया जाता है। इसी कड़ी में 06 अगस्त 2024 को ग्राम पीपरछेड़ी में नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। पीपरछेड़ी में आयोजित चिकित्सा शिविर में ग्राम के सरपंच बालमुकुंद ठाकुर, सचिव प्रताप, सीएसआर मेडिकल टीम से चिकित्सक डॉ एम सरस्वती, बीपी, शुगर एवं रक्त जांच हेतु रेखा देव, फार्मासिस्ट श्रीमती सुशन जैकब, पंजीयन हेतु शम्भू दयाल तथा सीएसआर विभाग से आशुतोष सोनी उपस्थित थे। प्रात: 10 बजे से प्रारंभ हुए शिविर में कुल 81 लोगों की जांच कर उन्हें नि:शुल्क दवाएं प्रदान की गई, लाभान्वित ग्रामीणों में 36 पुरुष, 26 महिला तथा 19 बच्चे शामिल थे। भिलाई इस्पात संयंत्र अपने आस–पास के परिधीय क्षेत्रों में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य की नि:शुल्क जाँच की सुविधा काफी लंबे समय से उपलब्ध कराता आ रहा है। इसका उद्देश्य दूरस्थ ग्रामीण एवं वनांचल क्षेत्र में रहने वाले लोगों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना है।

कौशल विकास अंतर्गत जैविक खेती पर 6 दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

दुर्ग। कृषि विज्ञान केन्द्र पाहंदा (अ) द्वारा ग्रामीण युवा कौशल विकास योजनांतर्गत ग्राम चंगोरी पाटन दुर्ग के जैविक खेती हेतु चयनित 28 युवाओं को जैविक खेती विषय पर प्रशिक्षण 30 जुलाई 2024 से 05 अगस्त 2024 तक आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण में चयनित ग्रामीण युवक एवं युवतियों को जैविक खेती की आवश्यकता लाभ एवं व्यवसायीकरण पर विस्तृत जानकारी प्रदान किया गया। प्रशिक्षाणार्थियों को जैविक खेती में लगने वाले विभिन्न घटक जैसे जीवामृत, बीजामृत, पंचगव्य, नीमास्त्र आदि बनाने का जीवंत प्रदर्शन एवं हरी खाद का जैविक खेती में महत्व केंचुआ खाद बनाने की कम लागत तकनीक के बारे में प्रशिक्षित किया गया। प्रयोग विधि तथा उत्पादित जैविक उत्पाद का प्रसंस्करण एव मूल्य संवर्धन तकनीक के बारे में बताया गया जिससे कि खेती में कम लागत कर अधिक मुनाफा लिया जा सके। प्रशिक्षण में जैविक खेती हेतु चयनित कृषकों को जैविक प्रमाणीकरण की विधि एवं ध्यान में रखने वाले सभी बिन्दुओं पर विस्तृत जानकारी प्रदाय की गई।

स्वतंत्रता दिवस समारोह: अधिकारियों को दी गई जिम्मेदारी

जिला मुख्यालय में पुलिस परेड ग्राउण्ड में आयोजित होगा स्वतंत्रता दिवस मुख्य समारोह, समारोह में स्कूली बच्चों के सांस्कृतिक कार्यक्रम की होगी प्रस्तुति

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन जिले में गरिमामयी एवं हर्षोल्लास के साथ जिला मुख्यालय स्थित पुलिस परेड ग्राउण्ड दुर्ग में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम का आयोजन प्रात: 9:00 बजे से किया जाएगा। सभी शासकीय कार्यालयों में सुबह 8:00 बजे ध्वजारोहण किया जाएगा।

स्वतंत्रता दिवस समारोह आयोजन के लिए कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी ने आज अधिकारियों की बैठक में विभागवार जिम्मेदारी सौंपी है। उन्होंने परेड की रिहर्सल प्रारंभ करने निर्देशित किया है। जिला आरक्षक बल, विशेष बल, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, होमगार्ड के जवान परेड में शामिल होंगे। इसी प्रकार सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए समिति बनाने तथा जिला शिक्षा अधिकारी को स्कूली बच्चों का सांस्कृतिक कार्यक्रम तैयारी प्रारंभ करने कहा है। कार्यक्रम स्थल में बेरिकेटिंग एवं बैठक व्यवस्था के लिए लोक निर्माण विभाग को, साफ सफाई, पेयजल, शौचालय सहित शामियाना, कुर्सियां, लाउडस्पीकर आदि की व्यवस्था के लिए नगर निगम दुर्ग/रिसाली को, विशिष्ट अतिथियों के लिए आवश्यक व्यवस्था के लिए लोक निर्माण विभाग को, कार्यक्रम स्थल में चबूतरा निर्माण, झण्डे आदि की व्यवस्था के लिए लोक निर्माण व रक्षित निरीक्षक को जिम्मेदारी दी है। मंच सजावट के लिए उद्यानिकी विभाग को, विद्युत कनेक्शन, जनरेटर आदि की व्यवस्था के लिए नगर निगम एवं विद्युत एवं यांत्रिकी विभाग को, सम्मानीय अतिथियों की बैठक व्यवस्था के लिए प्रभारी अधिकारी प्रोटोकॉल, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को ध्वजारोहण पश्चात् रंग बिरंगी गुब्बारे आसमान में छोड़ने के लिए उद्योग विभाग को दायित्व दिए गए हैं। मुख्य अतिथि का परेड निरीक्षण के लिए वाहन व्यवस्था हेतु पुलिस विभाग को, मुख्यमंत्री का संदेश वाचन के लिए पुस्तिका की व्यवस्था के लिए जनसंपर्क विभाग को, कार्यक्रम स्थल में उद्घोषक के लिए शिक्षा, पर्यावरण एवं अदिवासी विकास विभाग को जिम्मेदारी दी गई है। प्रमुख चौक–चौराहों पर देशभक्ति गीत–संगीत के प्रसारण के लिए नगर निगम दुर्ग–भिलाई को, कार्यक्रम का विडियो एवं फोटोग्राफी के लिए जनसंपर्क विभाग एवं खनिज विभाग को जिम्मेदारी दी गई है। पुलिस परेड ग्राउण्ड में मुख्य अतिथि द्वारा ध्वजारोहण की व्यवस्था की जिम्मेदारी पुलिस अधीक्षक दुर्ग और लोक निर्माण विभाग को दी गई है। आमंत्रण पत्रों का मुद्रण एवं प्रोटोकॉल अनुसार वितरण के लिए सी.ई.ओ. जिला पंचायत, वरिष्ठ लिपिक शाखा, प्रोटोकॉल शाखा को जिम्मेदारी दी गई है।

बैठक में एडीएम अरविन्द एक्का, नगर निगम भिलाई के आयुक्त देवेश ध्रुव, नगर निगम दुर्ग के आयुक्त लोकेश चन्द्राकर, नगर निगम रिसाली के आयुक्त श्रीमती मोनिका वर्मा, नगर निगम भिलाई चरोदा के आयुक्त दशरथ राजपूत, संयुक्त कलेक्टर हरवंश सिंह मिरी एवं विरेन्द्र सिंह, सभी एसडीएम, सभी जनपद सीईओ, नगरीय निकायों के सीएमओ सहित समस्त विभाग के जिला प्रमुख अधिकारी उपस्थित थे।

निगम भिलाई ने 26278 हितग्राहियों के घर तक पहुंचाया उपयोगी प्रमाण पत्र

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। विकसित भारत के संकल्प को हर घर तक पहुंचाने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार प्रतिबद्ध है, इसी क्रम में हमारे संगवारी द्वारा एक कॉल पर शासकीय सेवाए घर तक पहुंचायी जा रही है। इससे बिना परेशानी के सुगमता पूर्वक समय पर दस्तावेज और प्रमाण पत्र उपलब्ध हो जा रहे है। नागरिको की मूलभूत प्रमाण पत्र जो उनके दैनिक उपयोग के लिए बहुत आवश्यक है। घर बैठे बैठे मोर संगवारी सेवा के माध्यम से पहुंच जा रहा है।

यह योजना छत्तीसगढ़ के 14 नगर निगमों में चल रही है। प्रदेश में भिलाई नगर निगम का तीसरा स्थान है। कोई भी नागरिक अपनी आवश्यकता के अनुसार शासन द्वारा जारी किये गये टोल फ्री नम्बर 14545 पर फोन करके अपने घर बैठे बैठे मोर संगवारी सेवा के एजेंट को बुला सकता है, जो आवश्यक दस्तावेज घर से लेकर समय अवधि में घर पर ही प्रमाण पत्र बनवाकर पहुचा देता है। इस सुविधा का उददेश्य है, नागरिको को आफिसो तक न आना पड़े। उनके समय की बचत हो। सभी आवश्यक प्रमाण पत्र उनके घर बैठे बैठे मोर संगवारी सेवा के अंतर्गत मिल जाये। यह सभी वर्ग के लिए बहुत ही उपयोगी सिद्व हो रहा है।

नगर निगम भिलाई द्वारा अभी तक 26278 प्राप्त आवेदन का निराकरण करके नागरिको को लाभ पहुंचाया गया है। जिसमें प्रमुख रूप से विवाह प्रमाण पत्र के कुल– 1969, मृत्यु प्रमाण पत्र के कुल–309, जन्म प्रमाण पत्र के कुल–376, दुकान एवं स्थापना पंजीयन/गुमस्ता लाइसेंस के कुल–314, 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों का आधार पंजीयन के कुल–8648, पेनकार्ड सेवा के कुल–236, आधार मोबाईल नम्बर अपडेट के कुल–10110, मूल निवासी प्रमाण पत्र के कुल–1169, अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति प्रमाण पत्र के कुल–56, पिछड़ा वर्ग प्रमाण पत्र के कुल–254, आय प्रमाण पत्र के कुल–2428, एपीएल राशन कार्ड के कुल–151, विवाह सुधार प्रमाण पत्र के कुल–81 प्रमाण पत्र एवं अन्य प्रमाण पत्र के कुल– 177 बनाकर घर तक पहुचाया गया। आयुक्त देवेश कुमार ध्रुव ने बताया कि प्रत्येक प्रमाण पत्र का शुल्क शासन द्वारा निर्धारित है। मोर संगवारी सेवा का एजेंट निर्धारित शुल्क लेकर हितग्राही को रसीद प्रदान करती है। मोर संगवारी सेवा घर पहुच सुविधा देने के लिए अतिरिक्त 50 रूपये पारिश्रमिक शुल्क लेता है। वैशालीनगर विधायक रिकेश सेन, भिलाईनगर विधायक देवेन्द्र यादव, महापौर नीरज पाल ने सभी नागरिको से अपील की है कि घर बैठे बैठे आवश्यकतानुसार प्रमाण पत्र प्राप्त कर सकते है। यह शासन की बहुत ही महत्वकांक्षी योजना है, इससे सब को लाभ मिल रहा है।

बरसात में भी ठगड़ाबांध का जल स्तर गिरा

16 करोड़ की पिकनिंक स्पॉट बना अनउपयोगी : वोरा

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। राज्य शासन के द्वारा 16.05 करोड़ की लागत से ठगड़ाबांध का सौदर्यीकरण पिकनिंक स्पॉट पूर्व की कांग्रेस की सरकार के द्वारा दुर्ग–भिलाई की जनता के लिए चालू किया गया था। जिसमें हजारों लोग प्रतिदिन परिवार सहित पिकनिंक का आनंद लेने पहुंच रहे थे।

किन्तु एक वर्ष पश्चात ही ग्रीष्म ऋ तु में ठगड़ाबांध सूखने से जलसंकट व 10 वार्डो में ग्राउण्ड वाटर लेबल गिरने से हेण्डपंप व बोरवेल की धार पतली हो गई साथ ही ठगड़ाबांध में सैर सपाटा करने वाले सैलानी का भी आना बंद हो गया है। गहरीकरण और सौदर्यीकरण के नाम पर बांध को बेतहाशा मिट्टी व मुरुम की खोदाई कर अधिकारियों के बिना मॉनिटरिंग के मौत का कुआं बना दिया। जो पानी ठगड़ाबांध की सौदर्य के लिए महत्वपूर्ण था उसे तालपुरी से आने वाले रास्ते में दिवाल खड़ाकर रोक दिया गया। जिस कारण से भरी बरसात में भी जलभराव ना होने से ना फाउण्टेन और ना बोटिंग चल पा रहा है साथ ही 12 लाख खर्च कर बनाया गया चंद्रयान उड़ान ना भरके कबाड़ में तब्दील हो रहा है।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं पूर्व विधायक अरुण वोरा ने कहा कि ट्विनसिटी के बहुप्रतिक्षित ठगड़ाबांध जनता को समर्पित किया गया था। किन्तु भाजपा की सरकार बनते ही पहले उमड़ता था जनसैलाब अब हो गया सन्नाटा। इसका प्रशासन अपनी कुम्भकरणी निंद से जागे और कांग्रेस शासन में मिली जनता को बड़ी सौगात को सहजने के साथ ही ठगड़ाबांध पिंकनिक स्पॉट के जलभराव हेतु प्रयास करें।

जन समस्या निवारण शिविर में पहुंचे महापौर, किए आमजनों से भेंट मुलाकात

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम क्षेत्रांतर्गत मंगलवार को 5 वार्डो के लिए एक साथ जन समस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। महापौर धीरज बाकलीवाल के साथ आयुक्त लोकेश चन्द्राकर वार्ड क्र.38 में आयोजित शिविर में पहुंचे। शिविर में समस्या व शिकायत लेकर आए हुए नागरिकों से भेंट मुलाकात की।

उनकी समस्याओं को जाना। साथ ही हितग्राहियों से समस्याओं के संबंध में जानकारी ली।शिविर की व्यवस्थाओं को देखा तथा जन समस्याओं के निराकरण के संबंध में अधिकारियों का मार्गदर्शन किया।महापौर धीरज बाकलीवाल के साथ संजय कोहले,दीपक साहू,पार्षद सुश्री नीता जैन,श्रद्धा सोनी, प्रकाश जोशी,पूर्व पार्षद फतेह सिंह भाटिया,कार्यपालन अभियंता दिनेश नेताम,उपअभियंता हरिशंकर साहू, राजस्व अधिकारी दुर्गेश गुप्ता, जनसम्पर्क अधिकारी थानसिंह यादव,उप अभियंता विनोद मांझी,बाजार अधिकारी ईश्वर वर्मा,अभ्युदय मिश्रा मौजूद रहें।जन समस्या निवारण शिविर का आयोजन वार्ड क्रमांक 36,37,38,39 एवं 40 में किया गया। जिसमें मांग एवं समस्या पर आधारित 103 आवेदन प्राप्त हुए। मौके पर 66 आवेदनों का निराकरण किया एवं शेष 37 आवेदनों को विभागीय अधिकारियों को सौंपा गया। शिविर में लोगों की समस्याएं सुनी और निराकरण की पहल की। लोगो के द्वारा मूलभूत सुविधाओं के विस्तार स्वनिधि,कब्जा हटाने, सड़क, बिजली, सड़क व नाली की मरम्मत,नल कनेक्शन समेत राशन कार्ड समेत अन्य आवेदन शामिल रहे। शिविर निरीक्षण के दौरान महापौर धीरज बाकलीवाल ने लोगों की समस्या सुनी और मौजूद अधिकारियों को जल्द निराकरण करने निर्देश दिए.नल कनेक्शन की मांगों के भी आवेदन प्राप्त हुए,जन समस्या निवारण शिविर में लोगों ने अपने वार्ड विकास की दृष्टि से जहां लाइट, बिजली पोल, सड़क बाधित करते हुए एवं नाली के ऊपर पार्किंग की शिकायत भी की गई।

पीएम आवास योजना से अपने सपनो का घर पाएं, 30 अगस्त तक संपूर्ण राशि जमा नही करने पर आवंटन निरस्त की होगी कार्रवाही

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिका निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत में प्रधानमंत्री आवास योजना के घटक मोर मकान मोर आस (एएचपी) के तहत कुल 1502 मकान का निर्माण कराया जा रहा है जिसमें स्थान मां कर्मा के 108 मकान में से आवंटन 7 लोगो किया गया,इसके अलावा फॉर्च्यून 36 में 16 मकान आवंटन किया गया। गणपति विहार के 108 में 63 मकानों के आबंटन किया।

गोकुल नगर के 336 मकानों में 32 आबंटन, सरस्वती नगर में 522 मकानों में 27 समेत पोटिया कला के 116 में से आवंटन दिया गया है। कुल 261 हितग्राहियों को आवंटन पत्र दिया जा चुका है। टोटल कुल 1502 मकान में से लॉटरी के माध्यम से 557 लोगों को आवास आवंटन किया गया है एवं शेष 945 आवासों का आवंटन किया जाना प्रस्तावित है पोटिया कला 116 में 10 लोगों द्वारा संपूर्ण राशि जमा करके आधिपत्य ले लिया गया है।बाकी 106 जिनका आबंटन हो चुका है। वे हितग्राही तत्काल निर्धारित राशि जमा करके अपने आवास का अधिपत्य पत्र नगर निगम से ले सकते हैं। नगर निगम ने हितग्राहियों से अपील कर कहा 30 अगस्त 2024 तक अपनी संपूर्ण राशि जमा करें अथवा आवंटन निरस्त करने की कारवाई किया जाएगा।

हितग्राहियों के सहयोग के लिए नगर निगम द्वारा डाटा सेंटर प्रधानमंत्री आवास कार्यालय में फाइनेंस कंपनी के माध्यम से श्रेणी लेकर की संपूर्ण राशि एक साथ जमा किया जा सकता है!–लोन लेने गाइड लाइन:हितग्राहियों के लिए सुविधा नगर निगम के डाटा सेंटर दुर्ग में प्रधानमंत्री आवास कार्यालय में फाइनेंस कंपनी के माध्यम से एक साथ बैंक आबंटितियों को बिना किसी अतिरिक्त गारेंटर मात्र एक आधार कार्ड, राशन कार्ड एवं संबंधित आबंटित आवास के आफर लेटर एवं पूर्व में जमा हुई रसीद को आधार मान कर नगर निगम के विश्वास पर ऋण प्रदाय कर रहे है।प्रत्येक बैंक का अपना–अपना ऋण प्रदान करने का नियमावली होता है। जिसमें सुविधाओं के अनुसार बैंक का ब्याज दर निर्धारित रहता है। अपनी सुविधा के अनुसार हितग्राही लोन प्राप्त कर सकता है। इसमें नगर निगम दुर्ग का किसी प्रकार का दबाव नहीं रहता। वह अन्य बाहरी बैंक से भी लोन प्राप्त कर सकता है।नगर निगम का यही प्रयास रहता है हितग्राही अपने किश्त – की राशि जमा करके आबंटित मकान में निवास करें।लोन लेकर संपूर्ण राशि एक साथ जमा कर अपने सपनो का आशियाना ले सकते है।

शिक्षा एक व्यक्ति की सोच का पोषण करती है और उन्हें जीवन में सोचने, कार्य करने और आगे बढ़ने की क्षमता प्रदान करती है : ललित चन्द्राकर

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। विधायक ललित चन्द्राकर ने नवप्रवेश छात्र–छात्राओं का स्वागत कर नई शिक्षा नीति के उद्देश्य के बारे विस्तृत जानकारी दिया। साथ ही सभी को एक पेड़ माँ के नाम वृक्षारोपण कर प्राकृति को हरा भरा व स्वच्छ वातावरण बनाए रखने को कहा।

इस अवसर पर विधायक ललित चन्द्राकर ने कहा शिक्षा मानव जीवन का अभिन्न अंग है। शिक्षा और ज्ञान न केवल व्यक्तिगत विकास के लिए आवश्यक है, बल्कि यह अर्थव्यवस्था के विकास के लिए भी आवश्यक है। शिक्षा एक व्यक्ति की सोच का पोषण करती है और उन्हें जीवन में सोचने, कार्य करने और आगे बढने की क्षमता प्रदान करती है। शिक्षा लोगों को सशक्त बनाती है और उन्हें काम के संबंधित क्षेत्रों में रहने और अनुभव के सभी पहलुओं में कुशल बनने में मदद करती है। शिक्षा बहुत महत्वपूर्ण है, यह लोगों के दिमाग को खोलती है और समझ, आगे बढने और विकास करने की क्षमता प्रदान करती है। बचपन में शिक्षा उच्चतर माध्यमिक के माध्यम से बच्चों के जीवन के प्रारंभिक वर्षों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह उनके व्यक्तित्व, काम करने की क्षमता को आकार देता है और उनकी वास्तविक क्षमता को खोजने में मदद करता है। प्रशिक्षण और कौशल विकास के लिए उच्च शिक्षा आवश्यक है।

विधायक ललित चन्द्राकर ने नई शिक्षा नीति की जानकारी देते हुए कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा प्रणाली में एक महत्ता जनेरिक इलेक्टिव और वेल्यू एडिशन कोर्स का परिचय हमारी शिक्षा प्रणाली को और भी व्यापक और समग्र बनाने का प्रयास है। जेनेरिक इलेक्टिव कोर्स यह ऐसा कोर्स हैं जो विद्यार्थियों को उनकी रुचि और करियर विकल्पों के अनुसार किसे विरत की स्वतंत्रता प्रदान करते हैं। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को एक व्यापक शिक्षा देना है जो केवल एक विशेष क्षेत्र तक सीमित न हो। उदाहरण के लिए, एक विज्ञान का छात्र अब मानविकी या कला के विषय भी पढ़ सकता है, जिससे उसकी सोच और समझ का दायरा बढ़ेगा।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत, यह बदलाव छात्रों को एक बहुआयामी दृष्टिकोण प्रदान करेगा। वे न केवल अपने प्रमुख क्षेत्र में विशेषज्ञता प्राप्त करेंगे, बल्कि अन्य क्षेत्रों के ज्ञान से भी लैस होंगे। यह न केवल उनके करियर विकल्पों को विस्तृत करेगा, बल्कि उन्हें एक बेहतर नागरिक और समाज के प्रति जिम्मेदार व्यक्ति भी बनाएगा। वेल्यू एडिशन कोर्स का उद्देश्य विद्यार्थियों में नैतिक और सांस्कृतिक मूल्यों का समावेश करना है। आज के दौर में केवल अकादमिक ज्ञान ही पर्याप्त नहीं है। हमें ऐसे युवा चाहिए जो नैतिकता, संस्कृति और सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति सजग हों।

वेल्यू एडिशन कोर्स के माध्यम से, हम छात्रों में अनुशासन, नैतिकता, और सांस्कृतिक समझ को विकसित कर सकते हैं। यह कोर्स विद्यार्थियों को समाज की सेवा करने, नैतिक मूल्यों का पालन करने और एक स्वस्थ जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित करेंगे। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का यह कदम हमारे शिक्षा प्रणाली को एक नई दिशा देने का प्रयास है। यह केवल शिक्षा प्रदान करने का माध्यम नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों को जीवन जीने की कला भी सिखाने का एक प्रयास है।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Premier sales: 8959493000
A Leela Electronics: 9425507772
Reena Electronics: 9329132299
Shree Electronics: 7000827361
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

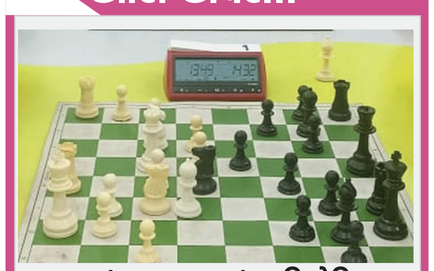

प्रथम संस्थागत शतरंत प्रतियोगिता-2024 का 9 से रायपुर में आयोजन

रायपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे खेल संघ रायपुर मंडल के तत्वावधान में दो दिवसीय प्रथम संस्थागत शतरंज प्रतियोगिता-2024 का आयोजन रेलवे इंस्टीट्यूट, खारून रेल विहार, इंजीनियरिंग कालोनी, रायपुर में 09 एवं 10 अगस्त, 2024 को किया जा रहा है।

इस प्रतियोगता में केन्द्रीय सरकार के सभी विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल होंगे । इस प्रतियोगिता में शामिल होने के इच्छुक विभाग अपनी टीम का पंजीकरण, 500 रूपए के शुल्क सहित खेल विभाग, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, वालटेर रेलवे क्रॉसिंग, रायपुर में करा सकते हैं।

रायपुर के पार्षद बैंगलोर व मैसूर के दौरे पर, नए वाटर ट्रीटमेंट सिस्टम व स्वच्छता व्यवस्थाओं का अध्ययन करेंगे

रायपुर। रायपुर नगर निगम के पार्षद वर्तमान में बैंगलोर और मैसूर शहर के दौरे पर हैं, जहाँ वे दोनों शहरों के नए वाटर ट्रीटमेंट सिस्टम और स्वच्छता व्यवस्थाओं का अध्ययन करेंगे। इस दौरे का उद्देश्य रायपुर में इन आधुनिक प्रणालियों को लागू करना है।

मिली जानकारी के अनुसार, यह दौरा एक हफ्ते का है जिसमें पार्षद देश के दो हाई-टेक शहर बैंगलोर और मैसूर की अत्याधुनिक सुविधाओं का निरीक्षण करेंगे। मुख्यत: वे वाटर ट्रीटमेंट सिस्टम और स्वच्छता की व्यवस्थाओं का गहन अध्ययन करेंगे ताकि रायपुर में इनका सफलतापूर्वक कार्यान्वयन किया जा सके। इस दौरे के दौरान, पार्षद बैंगलोर और मैसूर में स्थापित विभिन्न अत्याधुनिक सुविधाओं का भी जायजा लेंगे। यह अध्ययन उन्हें रायपुर में नई तकनीकों और प्रक्रियाओं को अपनाने में मदद करेगा, जिससे शहर की सफाई और जल प्रबंधन में सुधार हो सके।

दौरे से वापस लौटने के बाद, पार्षद इन नई प्रणालियों और प्रक्रियाओं को रायपुर में लागू करने के लिए कार्य करेंगे। यह पहल रायपुर की जनता को बेहतर स्वच्छता और जल प्रबंधन सुविधाएँ प्रदान करने के उद्देश्य से की जा रही है। यह दौरा रायपुर शहर के विकास और स्वच्छता में एक महत्वपूर्ण कदम है। पार्षदों की इस पहल से उम्मीद की जा रही है कि रायपुर में भी बैंगलोर और मैसूर जैसी अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी, जिससे शहर की स्वच्छता और जल प्रबंधन में उल्लेखनीय सुधार होगा।

6 साल से रूकी जमीन की रजिस्ट्री महज पखवाड़े से कम समय में हुई

कलेक्टर जनदर्शन से ग्रामीणों के उम्मीदों की आस हो रही पूरी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। धनेली गांव के ग्रामीणों की खुशियों का आज ठिकाना नहीं था, जब वे अपनी जमीन की रजिस्ट्री कराने के लिए रजिस्ट्री कार्यालय पहुंचे थे। दरअसल, 6 साल से जो जमीन रजिस्ट्री विक्रेता की वजह से रूकी थी, वह जिला प्रशासन के हस्तक्षेप के बाद महज 15 दिनों के भीतर हो गई। ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सुशासन और उनके नेतृत्व में हो रहे त्वरित काम की सरहाना की ।ग्रामीणों ने कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह से मुलाकात कर प्रसन्नता जाहिर की और आभार जताया।

वर्ष 2017 में धनेली (सांकरा) के ग्रामीण दादूलाल यादव, अमृतलाल साहू, गुलाब सिंह सहित 30 ग्रामीणों ने खुद का मकान बनाने के लिए जमीन खरीदने का

सोचा, तब उनका संपर्क एक स्थानीय माध्यम से हुआ। जिसमें अपनी जमीन बताकर सौदा किया। ग्रामीण दादू लाल का कहना है कि विक्रय ने अपनी जमीन दिखाकर इकरारनामा कराया, प्रत्येक प्लॉट की कीमत करीब ढ़ाई से तीन लाख रूपए थी। सभी ग्रामीणों द्वारा कुछ पैसे एडवांस में दिए गए, वहां जमीन की रजिस्ट्री नहीं कर रहा था, तभी कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के जनदर्शन में पहुंचे। कलेक्टर के समक्ष जमीन रजिस्ट्री कराने का आग्रह किया। कलेक्टर ने रायपुर एसडीएम नंदकुमार चैबे को निर्देशित किया। संबंधित अनुविभाग कार्यालय द्वारा प्रक्रियाओं को जल्द पूर्ण कराया गया और बाधाएं भी दूर की गई, इससे जल्द रास्ता निकला और उनकी जमीन की रजिस्ट्री हो गई। अब ग्रामीण अपने आशियाने के सपनों को साकार कर सकेंगे। लंबे समय से आशियाना का सपना संजोए ग्रामीणों का अब अपना खुद का घर होगा।

राज्य बाल संरक्षण से संबंधित मुद्दों पर हुई चर्चा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। किशोर न्याय बालकों की देखरेख और संरक्षण अधिनियम के प्रावधानों के तहत गठित राज्य बाल संरक्षण समिति की कार्यकारिणी तथा आमसभा बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की बैठक सचिव महिला एवं बाल विकास विभाग एवं पदेन अध्यक्ष राज्य बाल संरक्षण समिति श्रीमती शम्मी आबिदी की अध्यक्षता में मंत्रालय महानदी भवन में हुई। सचिव महिला एवं बाल विकास द्वारा बैठक में बाल संरक्षण से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दों पर एवं विभिन्न विभागों के साथ समन्वय पर विस्तार से चर्चा की गई। संयुक्त संचालक, मिशन वात्सल्य द्वारा वर्तमान में राज्य में बाल संरक्षण के क्षेत्र में किये जा रहे विभिन्न कार्यों, किशोर न्याय (बालकों की देखरेख और संरक्षण) अधिनियम, 2015 यथा संशोधित 2021 के क्रियान्वयन हेतु संचालित मिशन वात्सल्य के तहत प्रदान की जा रही संस्थागत एवं गैर संस्थागत देखरेख सेवाओं की जानकारी का प्रस्तुतीकरण किया गया।

बैठक में बताया गया कि प्रदेश में 93 बाल देखरेख संस्थाएं संचालित हैं, जिनमें देखरेख एवं संरक्षण की आवश्यकता वाले बच्चों के लिए 67 एवं विधि से संघर्षरत बच्चों के लिए 26 संस्थाएं संचालित हैं। इन संस्थाओं में 2046 बच्चे निवासरत हैं, जिनमें से 1318 बच्चे शाला में अध्ययनरत एवं 29 बच्चे ओपन स्कूल के माध्यम से परीक्षा देंगे। वर्ष 2023-24 में बाल देखरेख संस्थाओं में निवासरत 10वी के 32 एवं 12वी के 23 बच्चे प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुए। आगामी शिक्षा सत्र के विषय चयन हेतु 136 बच्चों का एप्टीट्यूड टेस्ट कराया गया। कोंडागांव

एवं महासमुंद जिले के बच्चों द्वारा जुडो, तीरंदाजी खेलों में प्रदर्शन किया गया। जिसके फलस्वरूप सांई हॉस्टल एवं खेल अकादमी में प्रवेश प्रदाय किया गया है। सचिव महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संस्थागत देखरेख में निवासरत बालकों के सर्वांगीण विकास हेतु अच्छी शिक्षा उपलब्ध कराने, कौशल प्रशिक्षण से जोड़ने, बच्चों की समुचित स्वास्थ्यगत देखभाल करने हेतु महिला एवं बाल विकास विभाग एवं संबंधित विभागों की संयुक्त कार्ययोजना बनाकर प्रभावी कियान्वयन हेतु निर्देशित किया गया।

खेल एवं युवा कल्याण विभाग को उनकी गतिविधियों में इन बच्चों को शामिल करने के निर्देश दिये गये। गैर संस्थागत देखरेख अंतर्गत दत्तक ग्रहण में वर्ष 2023-24 में 79 बालक एवं इस वर्ष 20 बालक दत्तक ग्रहण में दिये गये। स्पांसरशिप कार्यक्रम के अंतर्गत 812 बच्चों को लाभान्वित किया जा रहा है। सचिव द्वारा इसका व्यापक प्रचार-प्रसार करने एवं अधिकतम पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित करने के निर्देश दिये गये। फास्टर केयर के अंतर्गत 14 बच्चे एवं आफ्टर केयर में 85 बच्चों को लाभान्वित किया गया। किशोर न्याय बालकों की देखरेख और संरक्षण अधिनियम, 2015 यथा संशोधित 2021 के प्रावधान के अनुसार छत्तीसगढ़ बाल कोष का गठन किया गया है, जिसमें जिलों से प्राप्त प्रस्तावों पर स्वीकृति उपरांत राज्य बाल संरक्षण समिति द्वारा कार्योत्तर अनुमोदन दिया गया। कोविड आपदा के कारण अनाथ हुए बच्चों के लिए संचालित पीएम केयर फॉर चिल्ड्रन योजना के तहत 108 हितग्राहियों को लाभान्वित किये जाने की जानकारी संबंधित अधिकारी द्वारा दी गई। पॉक्सो पीड़ित बालिकाओं के पुनर्वास हेतु केन्द्र शासन द्वारा संचालित योजना की जानकारी समिति के सदस्यों को दी गई कि एक सितम्बर 2023 से राज्य शासन द्वारा संचालित चाईल्ड हेल्पलाईन 1098 के संचालन, महिला हेल्पलाईन 181 एवं ईआरएसएस 112 से इंटीग्रेशन के संबंध में जानकारी दी गई।

चाईल्ड हेल्पलाईन में प्राप्त 1623 प्रकरणों के विरूद्ध 1571 प्रकरणों का निराकरण किया गया। सचिव द्वारा हेल्पलाइन नम्बर 1098, 181, 112 के व्यापक प्रचार-प्रसार एवं बच्चों के विरूद्ध तथा बच्चों द्वारा किये जाने वाले अपराधों का जिलेवार विश्लेषण कर कार्ययोजना बनाने एवं प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिये गये। बैठक में बताया गया कि राज्य में बाल संरक्षण व बच्चों के सर्वोत्तम हित में किए जा रहे कार्यों एवं प्रयासों की गुणात्मक सुधार हेतु निर्देश दिए गए। समिति के सदस्यों को बाल विवाह मुक्त छ.ग. अभियान के संबंध में जानकारी दी गई। वर्ष 2023-24 में 161 एवं वर्ष 2024-25 में 146 बाल विवाह अंतर्विभागीय समन्वय से रोके गये हैं। राज्य शासन द्वारा किये जा रहे नवाचार उल्लास, उजियार, उमंग, उम्मीद एवं बाल उदय योजना के बारे में विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही बाल देखरेख संस्थाओं में होने वाली विभिन्न गतिविधियों स्वच्छता पखवाड़ा, योग दिवस, मानसिक स्वास्थ्य दिवस, वीर बाल दिवस की जानकारी साझा की गई। वर्ष 2023-24 में मिशन वात्सल्य के दिशा-निर्देश अनुसार भारत शासन को प्रेषित वित्तीय प्रस्ताव पर कार्योत्तर अनुमोदन समिति द्वारा दिया गया।

समिति द्वारा 2024-25 के लिए प्रशिक्षण कार्ययोजना, प्रचार-प्रसार गतिविधि कार्ययोजना, वर्ष 2022-23 के ऑडिट कार्य का कार्योत्तर अनुमोदन दिया गया। समिति के सदस्यों को छ.ग. राज्य की बाल संरक्षण नीति का ड्राफ्ट तैयार करने की जानकारी दी गई। सचिव ने बच्चों के सर्वोत्तम हित में प्रचार-प्रसार, विभाग से संबंधित बिंदुओं पर परिणाममूलक कार्यवाही हेतु समन्वित कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिये गये। बैठक में संचालक महिला एवं बाल विकास श्रीमती तुलिका प्रजापति, संयुक्त सचिव, महिला एवं बाल विकास विभाग डॉ. रेणुका श्रीवास्तव एवं अन्य सहयोगी विभागों- गृह विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, समाज कल्याण विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, वित्त विभाग, उच्च शिक्षा विभाग, तकनीकी शिक्षा विभाग, राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, रेलवे एवं एनआईसी आदि विभागों के प्रतिनिधि शामिल हुए।

कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के निर्देश पर शासकीय भूमि से हटाए कब्जे

रायपुर। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के निर्देश पर राजधानी के आसपास के इलाकों में बेजा कब्जा और अतिक्रमण को हटाने का कार्य की गई। तहसील में ग्राम पिरदा स्थित शासकीय भूमि जिसका खसरा नंबर 175 जिस पर पिरदा निवासी जितेंद्र कुर्रे पिता गुमान कुर्रे एवं सुधु चेलक पिता उदयराम चेलक ने बेजा कब्जा कर आवागमन मार्ग को अवरोधित करने की शिकायत पहुंची थी। ग्राम काठाडीह में अतुल बिसेन पिता बलराम बिसेन के द्वारा 3 एकड. भूमि बेजा कब्जा कर बाउंड्रीवाल निर्माण किया गया था। इस दोनों मामले में बेदखली का आदेश जारी किया। जिसके बाद उन स्थ्पाानों से बेजा कब्जा से मुक्त कराने की कार्यवाही की गई।

कान्यकुब्ज महिला मंडल ने मनाया सावन उत्सव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कान्यकुब्ज महिला मंडल ने आशीर्वाद भवन में सावन उत्सव 2024 आयोजित किया। इस वर्ष सावन उत्सव का थीम शिव जी की पूजा, और हरियाली पर थी, जिस पर कान्यकुब्ज ब्राह्मण समाज की बहनों ने सज-सवर कर सावन उत्सव का भरपूर आनंद उठाया। कार्यक्रम में विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताएं रखी गई। शिव स्तुति से शुरू हुई फिल्मी गीतों पर बहनों ने अपना समूह नृत्य प्रस्तुत किया, जिसमे प्रथम स्थान पर सोनम मिश्रा, बरखा त्रिवेदी, निधि शुक्ला, रोशनी शुक्ला ने प्राप्त किया। तृतीय स्थान पर ऋचा शुक्ला, प्रज्ञा मिश्रा, मोनिका शुक्ला, ज्योति अग्निहोत्री, उन्नति शुक्ला ने प्राप्त किया।

सावन ट्विन प्रतियोगिता में बहनों ने अपना भव्य और मनोहारी प्रस्तुती दी, जिसमे प्रथम स्थान शीतल मिश्रा, सुधा मिश्रा, द्वितीय स्थान ऋचा शुक्ला, प्रज्ञा मिश्रा एवं तृतीय स्थान ईशा शुक्ला, अक्षिता दीक्षित ने हासिल की। उत्तर प्रदेश की संस्कृति पर आधारित आलता

लगाओ प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पूजा बाजपेई, द्वितीय स्थान पर शशि शुक्ला एवं तृतीय स्थान रोशनी शुक्ला ने प्राप्त किया।

बच्चों को सनातन धर्म व संस्कृति से जागरूक करना समाज का दायित्व है। हिंदू संस्कार के प्रति जन चेतना जागृत करने के उद्देश्य से हनुमान चालीसा और गायत्री मंत्र का पाठ हमारे समाज के नन्हे मुन्ने बच्चों ने धारा प्रवाह पाठ कर प्रथम स्थान अर्चित शुक्ल, द्वितीय स्थान अनविका स्वास्थ्य एवं तृतीय स्थान आध्य अग्निहोत्री ने अर्जित किया।

व्यापार व्यवहार की प्रगति एवं महिलाओं को स्वालंबी बनाने के उद्देश्य से दो दिवसीय (3 एवं 4 अगस्त) सावन मेले का आयोजन किया गया, जिसमें साड़ी, सूट, चादर, बैग, राखियां, फैंसी आइटम, केक, चॉकलेट, आचार, बड़ी, पापड़ के स्टाल भी लगाए गए । नाश्ते के स्टॉल में गुपचुप, भेल, मंगोड़ी, और साथ में गरमा-गरम चाय का बहनों ने आनंद उठाया। सभी विजेता को कान्यकुब्ज ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष पं. अरुण शुक्ल, सचिव पं. सुरेश मिश्र एवं अन्य पदाधिकारियों ने पुरस्कृत किया।

सांसद बृजमोहन अग्रवाल के सवाल पर कारपोरेट कार्य राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा ने दी जानकारी

छत्तीसगढ़ में खेलों को बढ़ावा देने खर्च किए 6 करोड़

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ समेत देश भर में खेल और खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए कंपनियां सीएसआर निधि से राशि खर्च कर रही हैं। सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने लोकसभा में कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय से सवाल किया था कि, कंपनियों ने कारपोरेट सामाजिक दायित्व में खेल कार्यकलापों पर होने वाले

व्यय को शामिल किया है और छत्तीसगढ़ में सीएसआर निधि से खेल कार्यकलापों पर होने वाले खर्च की जानकारी मांगी थी।

जिसपर कारपोरेट कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री और सड़क परिवहन और राजमार्ग राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा बताया कि, पिछले तीन वित्तीय वर्षों 2020-21 से 2022-23 के दौरान देश में खेलों को बढ़ावा देने के लिए प्रशिक्षण के क्षेत्रों में सभी कंपनियों द्वारा सीएसआर निधि से राशि खर्च की गई है। जिसमें ग्रामीण खेलों, राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त खेलों, पैरालंपिक खेलों और ओलंपिक खेलों को बढ़ावा देने के लिए प्रशिक्षण शामिल है।

छत्तीसगढ़ में कंपनियों द्वारा खेलों पर 2022-23 में 5.72 करोड़ रुपए राशि खर्च की गई है। जिसमे से अकेले रायपुर में 3.87 करोड़ रुपए खर्च किए गए है। हर्ष मल्होत्रा ने यह भी जानकारी दी कि, देश में 24,392 कंपनियों ने साल 2022-23 में देश भर में सीएसआर मद में करीब 30 हजार करोड़ रुपए खर्च किए है।

जिले में अब तक 1076.8 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज

रायपुर। भू-अभिलेख कार्यालय जिला रायपुर से प्राप्त जानकारी के अनुसार 1 जून से शुरू की गई वर्षा मापन में अब तक रायपुर जिले के धरसींवा तहसील में 1236.5 मिलीमीटर, आरंग तहसील में 1069.8 मिलीमीटर, मंदिर हसौद में 1085.4 मिलीमीटर, अभनपुर में 910.8 मिलीमीटर, गोबरा नवापारा में 980.0 मिलीमीटर, तिल्दा में 985.4 मिलीमीटर, खरोरा में 1096.2, रायपुर तहसील में 1250.2 वर्षा दर्ज हुई है। इस प्रकार जिले में अब तक 1076.0 मिलीमीटर औसत वर्षा हुई है। वर्षा प्रतिवेदन के आधार पर 6 अगस्त को सर्वाधिक वर्षा अभनपुर में 2.3 मिलीमीटर,गोबरा नवापारा में 1.4 मिलीमीटर दर्ज की है। इसके अलावा जिले की अन्य तहसीलों में बारिश के आसार नहीं हैं।

सराफा एसोसिएशन ने की वाणिज्यिक कर उपायुक्त से मुलाकात

श्रीकंचनपथ न्यूज

बताई नई कर प्रणाली की परेशानियां, मांगे सुझाव

रायपुर। रायपुर सराफा एसोसिएशन द्वारा जीएसटी की कार्य शाला विगत दिनों मे रखी गई। इसी संदर्भ मे आज रायपुर सराफा एसोसिएशन के पदाधिकारियों व सलाहकार समिति के पदाधिकारियों का प्रतिनिधि मंडल ने संभागीय उपायुक्त वाणिज्यिक कर सुनील चौधरी जी एवं अन्य अधिकारियों से मिलकर व्यापार में नई कर प्रणाली व व्यापार हेतू यात्रा के दौरान होने वाली परेशानियां की जानकारियां दी गई। व्यापारियों को व्यापारिक यात्रा मे परेशानियां ना हो इसकी भी जानकारी प्राप्त हुई।

इस अवसर पर रायपुर सराफा एसोसिएशन के अध्यक्ष सुरेश भंसाली, सचिव दीपचंद कोटड़िया, कोषाध्यक्ष जितेन्द्र गोलछा, सहसचिव प्रवीण मालू, छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स के कोषाध्यक्ष उत्तम गोलछा, रायपुर सराफा से गौतम लोढ़ा, सुनील पारख, यशवंत बोथरा, अभय कोठरी, वीनू मालू, एवं अन्य व्यापारी उपस्थित हुए।

पीएम स्वनिधि योजना से अवगत कराकर डिजिटल लेन देन करने किया प्रोत्साहित

रायपुर। नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त अबिनाश मिश्रा ने नगर निगम मुख्यालय में राजधानी शहर रायपुर नगर निगम क्षेत्र में व्यवसायरत लगभग 75 फेरी वालों की बैठक लेकर उन्हें केन्द्र सरकार की कल्याणकारी पीएम स्वनिधि योजना की जानकारी दी । आयुक्त ने बैठक में एनयूएलएम प्रभारी अधिकारी डॉ. तृप्ति पाणीग्रही सहित एनयूएलएम के मिशन मैनेजरों की उपस्थिति में फेरी वालों को डिजिटल लेन देने अधिक से अधिक करने हेतु प्रोत्साहित किया।

आयुक्त अबिनाश मिश्रा ने फेरीवालों से पीएम स्वनिधि योजना के तहत व्यक्तिगत एवं समूह ऋण लेने की जानकारी

दी। आयुक्त ने एनयूएलएम प्रभारी अधिकारी एवं मिशन मैनेजरों को निर्देशित किया कि पीएम स्वनिधि योजना के तहत फेरी वालो को ऋण उपलब्ध करवाकर अधिक से अधिक लाभान्वित करें। साथ ही एनयूएलएम के माध्यम से संचालित सभी कल्याणकारी योजनाओं से फेरी वालों को विस्तृत जानकारी देकर अवगत कराकर उन्हें इसका अधिकाधिक वांछित लाभ लेने प्रेरित करने का कार्य करे। कोई भी फेरी वाला शहर में केन्द्र सरकार एवं छत्तीसगढ शासन की लोककल्याणकारी योजनाओं के वांछित लाभ से वंचित न होने पाये यह एनयूएलएम की टीम प्राथमिकता से समाज हित में सुनिश्चित करें। आयुक्त ने सभी फेरी वालों से कहा कि शहर में व्यवस्थित रूप से व्यवसाय करें एवं शहर को सुव्यवस्थित करने में सहभागी बने।

पुष्पा-2 द रूल से आया बड़ा अपडेट

अल्लू अर्जुन क्लाइमैक्स के लिए शूट कर रहे ये दमदार सीन

पुष्पा 2 द रूल अपनी शूटिंग के आखिरी चरण में चल रही है। अल्लू अर्जुन फिल्म पुष्पा 2 द रूल में क्लाईमैक्स शूट कर रहे हैं। पुष्पा 2 द रूल का क्लाईमैक्स एक्शन से लबरेज है। पुष्पा 2 द रूल के मेकर्स ने इसकी जानकारी दी है। पुष्पा 2 द रूल की शूटिंग पर अपडेट जारी कर मेकर्स ने अल्लू अर्जुन के फैंस की बेताबी को बढ़ाने का काम किया है। पुष्पा 2 द रूल के एक्शन सीक्वेंस क्लाईमैक्स की जानकारी देते हुए मेकर्स ने एक छोटी की वीडियो क्लिप भी जारी की है। इस वीडियो क्लिप में अल्लू अर्जुन का रौबदार अंदाज देखने को मिल रहा है।

पुष्पा 2 द रूल के मेकर्स ने सोशल मीडिया पर जानकारी देते हुए लिखा है, पुष्पा 2 द रूल की शूटिंग चल रही है और क्लाईमैक्स के लिए एक्शन सीक्वेंस शूट हो रहा है। पुष्पा 2 द रूल 6 दिसंबर को वर्ल्डवाइड रिलीज होगी। बता दें, यह अपडेट उस वक्त में सामने आई है, जब पुष्पा 2 द रूल को लेकर बात बन रही थीं, अल्लू अर्जुन और फिल्म के डायरेक्टर सुकुमार के बीच अनबन हो गई है। हालांकि, मेकर्स ने इन सब बातों को अफवाह करार दिया था।

वहीं, पुष्पा 2 द रूल पहले 15 अगस्त 2024 को रिलीज होनी थी, लेकिन फिल्म अब 6 दिसंबर को रिलीज होने के लिए तैयार है, लेकिन मेकर्स ने अगस्त में फिल्म तो नहीं लेकिन इससे जुड़ी बड़ी हैप्पी अपडेट जरूर अल्लू अर्जुन के फैंस को दी है। बता दें, अल्लू अर्जुन और सुकुमार लंबे समय से फिल्म की शूटिंग में लगे हुए हैं।

स्टाइलिश आउटफिट पहन अनुष्का सेन ने शेयर की फोटो

यंग फैशन आइकॉन अनुष्का सेन ने अपने एक्टिंग करियर की शरुआत बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट से की थी। उन्होंने अपनी एक्टिंग से दर्शकों को इस कदर दीवाना बनाया हुआ है कि लोग उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। हाल ही में एक्ट्रेस अनुष्का सेन ने अपने वेकेशन की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं, जिसमें उनका स्टनिंग लुक देखकर फैंस बेकाबू हो गए हैं।

टीवी एक्ट्रेस अनुष्का सेन इन दिनों अपनी फैमिली के साथ क्वालीटी टाइम स्पेंड कर रही हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट वेकेशन की कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें वो काफी गॉर्जियस नजर आ रही हैं।

एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तारीफ करते नहीं थकते हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही ट्रेंड करता है। इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस अनुष्का सेन ने व्हाइट कलर का टॉप पहना हुआ है और साथ ही रेड कलर की स्टाइलिश स्कर्ट पहनी हुई है, जिसमें वो स्टनिंग पोज दे रही हैं।

खुले बाल, डार्क लिप्सटिक और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस अनुष्का सेन ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। एक्ट्रेस इन दिनों अपना वेकेशन एम्स्टर्डम में एन्जॉय कर रही हैं। वहीं, से वो लगातार अपनी फोटोज शेयर कर फैंस को दीवाना बना रही हैं। एक्ट्रेस इन दिनों अपना वेकेशन एम्स्टर्डम में एन्जॉय कर रही हैं। वहीं, से वो लगातार

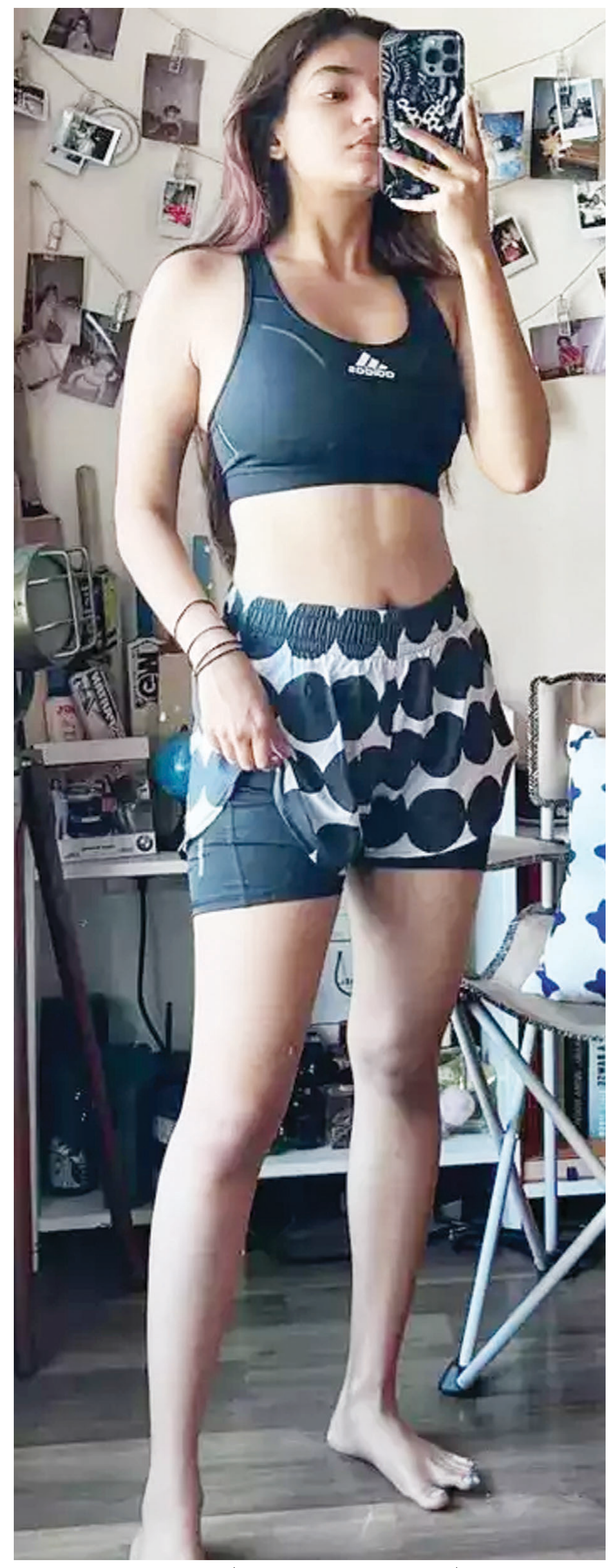

अपनी फोटोज शेयर कर फैंस को दीवाना बना रही हैं। एक्ट्रेस की इन फोटोज को इंस्टाग्राम पर पोस्ट हुए कुछ ही घंटे हुए हैं और अब तक 3 लाख से भी ज्यादा यूजर्स ने फोटोज पर लाइक्स कर दिए हैं।

आसिम रियाज से ब्रेकअप के कुछ महीनों बाद 'दुल्हन' बनीं हिमांशी खुराना

हिमांशी खुराना का एक लुक तेजी से वायरल हो रहा है, इसमें वो दुल्हन की तरह सजी हुई दिख रही हैं। फैंस को उनका ये लुक काफी पसंद आ रहा है। एक्ट्रेस-सिंगर हिमांशी खुराना एक्टर-मॉडल आसिम रियाज के साथ रिलेशनशिप में थीं। हालांकि कुछ साल साथ में रहने के बाद उन्होंने ब्रेकअप कर लिया। बीते दिनों आसिम रियाज शो खतरों के खिलाड़ी में नजर आए थे। शो में उनका झगड़ा हो गया था, जिसके बाद उन्हें एलिमिनेट कर दिया गया था।

वहीं अब हिमांशी खुराना का एक वीडियो सामने आया है। इसमें वो दुल्हन की तरह सजी हुई दिख रही हैं। उन्होंने नथ, मांग टीका, चोकर नेकलेस और रानी हार से अपना लुक कंप्लीट किया है। उन्होंने चूड़ा और कलीरे भी पहने हुए हैं। इस ब्राइडल लुक को फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। उन्होंने इस पोस्ट के साथ कोई कैप्शन नहीं लिखा है। पर उनके वीडियो में बैकग्राउंड में आवाज है– वो जहर देता तो दुनिया की निगाह में आ जाता। तो ये किया कि मुझे वक्त पर दवा नहीं दी।

उनका ये लुक देखकर अंदाजा लगाया जा रहा है कि ये किसी प्रोजेक्ट के लिए हो सकता है। एक्ट्रेस की पोस्ट पर फैंस लगातार कमेंट्स कर रहे हैं। कुछ फैंस पूछ रहे हैं कि किया शादी कर ली। वहीं कुछ फैंस आसिम रियाज को लेकर कमेंट्स कर रहे हैं और बोल रहे हैं कि अच्छा हुआ कि आपने आसिम से ब्रेकअप कर लिया।

दरअसल, खतरों के खिलाड़ी में आसिम रियाज ने रोहित शेट्टी और अभिषेक कुमार के साथ झगड़ा किया था। आसिम ने अपने पैसे की धौंस दिखाई थी और खराब बिहेवियर किया था। झगड़ा बढ़ने के बाद आसिम को शो से बाहर कर दिया था। वहीं आसिम और हिमांशी की बात करें तो दोनों बिग बॉस 13 में मिले थे। इस शो में दोनों के बीच में प्यार हुआ। हिमांशी ने आसिम के लिए अपनी एंगेजमेंट तक तोड़ दी थी। शो से बाहर आने के बाद कुछ सालों तक दोनों साथ रहे। लेकिन फिर अपने-अपने धर्म की खातिर दोनों ने 8 महीने पहले ब्रेकअप कर लिया था।

डरने के लिए हो जाइए तैयार इस दिन रिलीज हो रही भोजपुरी की हॉरर फिल्म भूत

जहां एक तरफ बॉलीवुड की आने वाली हॉरर कॉमेडी फिल्म स्त्री-2 को लेकर दर्शक बेहद उत्साहित हैं, वहीं दूसरी ओर भोजपुरी दर्शकों को भी एक हॉरर कॉमेडी फिल्म देखने को मिलने वाली है, जी हां! भोजपुरी फिल्म पसंद करने वाले दर्शकों के लिए हम एक शानदार खबर लेकर आए हैं, जो भोजपुरी की एक आने वाली फिल्म से जुड़ा हुआ है। हम बात कर रहें हैं भोजपुरी फिल्म भूत की, जिसकी रिलीज डेट का ऐलान किया जा चुका है। आइए बताते हैं कि भोजपुरी फिल्म भूत को आप कब और कहां देख सकते हैं।

भोजपुरी फिल्म भूत इस दिन होगी रिलीज

भोजपुरी की आने वाली हॉरर फिल्म भूत की रिलीज डेट सामने आ चुकी है, अभिनेत्री ऋतु सिंह ने खुद सोशल मीडिया हैंडल पर भूत फिल्म का नया पोस्टर शेयर कर, रिलीज डेट का खुलासा किया। ऋतु सिंह ने पोस्टर जारी करते हुए लिखा, तैयार हो जाइए हमारी अपकमिंग फिल्म भूत देखने के लिए, जो आपको डराने के साथ साथ इमोशनल भी करेगा।

ऋतु सिंह की अपकमिंग भोजपुरी फिल्म भूत में उनके साथ ही विक्रांत सिंह, अनीता राव, अवधेश मिश्रा, श्रुति राव और प्रियंका सिंह मुख्य किरदारों में हैं। बता दें कि ये फिल्म 10 अगस्त को शाम 6 बजे रिलीज होगी, इस फिल्म को आप भोजपुरी सिनेमा या फिर दंगल ऐप पर देख सकते हैं। इस हॉरर भोजपुरी फिल्म को देखने के लिए आज ही ये ऐप डाउनलोड करें, तभी आप इस फिल्म का मजा ले पाएंगे। फिल्म डरावनी होने के साथ ही बेहद इमोशनल भी है। बताते चलें कि भोजपुरी फिल्म का ट्रेलर जुलाई महीने में रिलीज किया गया था, जिसे दर्शकों द्वारा खूब पसंद किया गया था। भूत फिल्म का निर्देशन अवधेश मिश्रा ने किया है, जबकि प्रदीप सिंह, प्रतीक सिंह और समीर आफताब फिल्म के प्रोड्यूसर हैं।

अहसास चन्ना ने ओटीटी शो हाफ सीए के सेट पर मनाया अपना जन्मदिन

गर्ल्स हॉस्टल, कोटा फैक्ट्री, मिसमैच्ड 2 और मॉडर्न लव मुंबई में नजर आईं अभिनेत्री अहसास चन्ना ने हाफ सीए के आगामी सीजन के सेट पर अपना 24वां जन्मदिन मनाया। हाफ सीए भारत में चार्टर्ड अकाउंटेंसी के छात्रों के सामने आने वाली चुनौतियों और अनुभवों पर आधारित है।

अभिनेत्री ने बताया, मुझे अच्छा लगता है कि काम करते हुए मैं जन्मदिन मना रही हूं। अपने जन्मदिन पर वह करना जो आपको पसंद है, यह निश्चित रूप से खास होता है। मेरा मानना है कि अगर मैं अपने जन्मदिन पर शूटिंग कर रही हूं, तो मेरा बाकी साल व्यस्त रहेगा। अपने जन्मदिन पर अपना पसंदीदा काम करते हुए जश्न मनाना मुझे अच्छा लगा।

हाफ सीए में अहसास ने आर्ची मेहता की भूमिका निभाई है, जो सीए बनने के इच्छुक छात्रों के संघर्ष, आकांक्षाओं और जटिल जीवन पर प्रकाश डालती है, क्योंकि वे चार्टर्ड अकाउंटेंट बनने की चुनौतीपूर्ण यात्रा से गुजरते हैं। 5 अगस्त, 1999 को जन्मी अहसास पंजाबी फिल्म निर्माता इकबाल सिंह चन्ना और अभिनेत्री कुलबीर कौर बदेसरन की बेटी हैं। उन्होंने मुंबई विश्वविद्यालय से मनोविज्ञान में स्नातक की पढ़ाई पूरी की है।

अहसास ने कभी अलविदा ना कहना, माई फ्रेंड गणेशा और फूंक जैसी फिल्मों में बतौर बाल कलाकार काम किया। वह सावधान इंडिया, क्राइम पेट्रोल, देवों के देव...महादेव और सीआईडी जैसे टेलीविजन शो में भी नजर आ चुकी हैं। हाल ही में अहसास ने ओटीटी प्लेटफॉर्म पर काफी काम किया है, जो दर्शकों को काफी पसंद आया। टीवीएफ के साथ किया काम भी सराहा गया है।

चॉकलेट खाने वाले हो जाएं सावधान! सेहत की बैंड बजा सकता है आपका ये फेवरेट फूड, रिसर्च का खुलासा सुन रह जाएंगे दंग

अगर आप भी चॉकलेट खाने के शौकीन हैं तो सावधान हो जाइए। आपके लिए बुरी खबर है। एक रिसर्च में कई चॉकलेट प्रोडक्ट्स में टॉक्सिक हैवी मेटल्स पाए हैं, जो सेहत के लिए बेहद हानिकारक और खतरनाक हो सकते हैं। एक स्टडी में चॉकलेट से बने कई प्रोडक्ट में टॉक्सिक हैवी मेटल्स लेड और कैडमियम जरूरत से ज्यादा मिली है, जो सेहत को भारी नुकसान पहुंचा सकते हैं। आइए जानते हैं इस स्टडी में क्या मिला।

चॉकलेट में कई हैवी मेटल्स

इस स्टडी में कोको से बनने वाले डार्क चॉकलेट समेत 72 प्रोडक्ट्स का वैज्ञानिकों ने 8 सालों तक एनालिसिस किया। जिसके बाद उन्होंने पाया कि चॉकलेट से बने 43 प्रतिशत प्रोडक्ट्स में सीसा (लेड) की काफी ज्यादा मात्रा थी। 35 प्रतिशत प्रोडक्ट्स में कैडमियम पाए गए। वहीं, ऑर्गेनिक प्रोडक्ट में टॉक्सिक मेटल्स काफी ज्यादा मिले हैं, जो चिंता बढ़ाने वाले हैं।

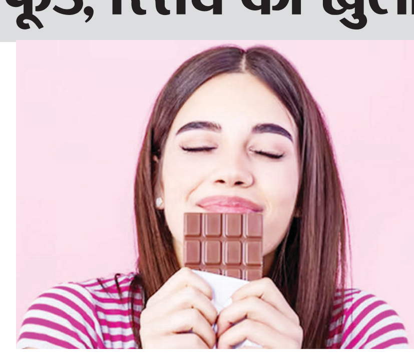

चॉकलेट में लेड, सेहत के लिए खतरनाक

शोधकर्ताओं ने बताया कि चॉकलेट प्रोडक्ट्स में ये मेटल्स कंटामिनेशन मिट्टी या मैन्यूफैक्चरिंग के वक्त हो सकता है। यह स्टडी चॉकलेट के अलग-अलग ब्रांड्स और वैरायटी पर बेस्ड था। इसमें कई में टॉक्सिक मेटल्स का लेवल काफी ज्यादा पाया गया। लेड काफी टॉक्सिक एलीमेंट है जो अगर शरीर में जमा हो जाए तो नर्वस सिस्टम, किडनी और हार्ट हेल्थ को बुरी तरह प्रभावित कर सकता है। बच्चों के शरीर में पहुंचकर यह मानसिक ग्रोथ पर बुरा असर डाल सकता है।

डार्क चॉकलेट में हैवी मेटल का हाई लेवल जोखिम पैदा कर सकता है, खासकर अगर इसे कुछ समुद्री भोजन, चाय और मसालों जैसे हैवी मेटल वाले अन्य उत्पादों के साथ खाया जाए।

कैडियम का सेहत पर असर

चॉकलेट में पाया जाना वाला दूसरा टॉक्सिक मेटल कैडमियम किडनी और हड्डियों के लिए हानिकारक होता है। अगर लंबे समय तक इसके संपर्क में शरीर रहे तो हड्डियां कमजोर हो सकती हैं। इसके अलावा किडनी की कई बीमारियां हो सकती हैं। शोधकर्ताओं ने बताया कि कोको प्लांट जमीन से हैवी मेटल्स अवशोषित कर सकते हैं, इसलिए ज्यादा चॉकलेट खाने से बचना चाहिए। बच्चों को भी इसके नुकसान बताने चाहिए।

खास खबर

एक पेड़ मां के नाम पर जेल मुख्यालय नवा रायपुर में किया गया वृक्षारोपण

रायपुर। एक पेड़ मां के नाम' महावृक्षारोपण अभियान के तहत नवा रायपुर स्थित जेल मुख्यालय परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण जागरूकता बढ़ाने और हरित भविष्य की दिशा में कदम बढ़ाना था। वृक्षारोपण कार्यक्रम में जेल महानिदेशक राजेश मिश्रा, जेल उपमहानिरीक्षक एस एस तिग्गा सहित जेल मुख्यालय के अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे। कार्यक्रम में विभिन्न प्रकार के पौधे लगाए गए, जिनमें जेल महानिदेशक द्वारा कटहल का पौधा, उपमहानिरीक्षक द्वारा आम और अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा विभिन्न प्रकार के फलदार एवं छायादार पौधे लगाए गए। इस मौके पर जेल प्रशासन ने पौधों की सुरक्षा और संरक्षण के लिए ट्री गार्ड एवं फेंसिंग नेट लगाने की व्यवस्था की। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर 'एक पेड़ मां के नाम' महावृक्षारोपण अभियान का शुभारंभ किया गया है। इस अभियान के अंतर्गत देश में सितम्बर 2024 तक 80 करोड़ एवं मार्च 2025 तक 140 करोड़ पौधों के रोपण का लक्ष्य है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देशन में 'एक पेड़ मां के नाम' महावृक्षारोपण अभियान के अंतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य में लगभग 4 करोड़ पौधारोपण किए जाने का लक्ष्य है।

सुशासन स्थापित करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं - विधायक

महासमुंद। जनसमस्या निवारण पखवाड़ा में शहर के विभिन्न वार्डों से बड़ी संख्या में नागरिक अपनी मांग व समस्याओं को लेकर पहुंच रहे हैं। जिनका विधिवत् त्वरित निराकरण की पहल की जा रही है। आज महासमुंद के वार्ड क्रमांक 21 व 22 के जन समस्याओं एवं मांग संबंधी समाधान के लिए शासकीय प्राथमिक शाला गुरुघासीदास वार्ड में जनसमस्या निवारण पखवाड़ा का आयोजन किया गया। शिविर में विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा मुख्य अतिथि के रूप में मंच पर आसीन थे। इस अवसर पर प्रदीप चंद्राकर, पार्षद देवीचंद राठी, पार्षद हेमलता यादव, पार्षद मुन्ना देवार, प्रकाश शर्मा, जगन्नाथ छुरा, चंद्रशेखर बेलदार, विरेन्द्र महंती, डोमार तांडी मौजूद थे। इस अवसर पर विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा ने शिविर में प्राप्त सभी आवेदनों का त्वरित कार्रवाई करने उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि इस पखवाड़ा का उद्देश्य स्थानीय रहवासियों को नागरिक सुविधाएं उपलब्ध कराना निकाय का मुख्य दायित्व है। वार्डवार जनसमस्या निवारण शिविरों का उद्देश्य इन समस्याओं के निराकरण के साथ ही नागरिकों को जरूरी जन सुविधाएं उपलब्ध कराना भी है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य में सुशासन स्थापित करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं।

जिले में शिक्षा उन्नयन के लिए प्रशासन के उम्दा प्रयास

दंतेवाड़ा। जिले में शैक्षणिक वातावरण को उत्कृष्ट बनाने के साथ साथ पालकों और शिक्षकों की इसमें भूमिका को नये सिरे से आंकलन हेतु आज संपूर्ण जिले के शासकीय स्कूलों में पालको और शिक्षकों की मेगा बैठक का आयोजन किया गया। और इस आयोजन में पहली बार अन्य विभाग प्रमुखों को भी शामिल कर बैठक को वृहद रूप दिया गया। इस संयुक्त विचार मंथन का प्रमुख उद्देश्य जिले में शिक्षा के स्तर को और भी बेहतर बनाने के लिए सामूहिक भागीदारी तय करना मुख्य था।जैसा कि विदित है कि एक पूरी पीढ़ी में एक सकारात्मक बदलाव हेतु शिक्षा से बड़ा कोई माध्यम नहीं है। चूंकि प्राथमिक शालाओं से ही दिया गया शैक्षणिक ज्ञान और वातावरण ही बालकों के भावी जीवन की आधारशिला रखता है। इस कड़ी में आज जिले के कलेक्टर, जिला पंचायत सीईओ और एसडीएम सहित समस्त आला अधिकारी विभिन्न ग्राम पंचायतों में पहुंचकर पालकों और शिक्षकों के मेगा बैठक में उपस्थित हुए। इस क्रम में आयोजित बैठक में शामिल होने कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी आज हाई स्कूल बालपेट पहुंचे इस दौरान बैठक अन्य एजेंडों में चर्चा करने के उपरांत उन्होंने पालकों से आग्रह किया कि बच्चों को पढ़ाई का सही माहौल देने के लिए शाला प्रबंधन के साथ-साथ पालकों की भी बड़ी जिम्मेदारी है। वितरण, उनके खानपान के विषय में निरंतर जानकारी लेवे।

निजी स्कूलों की तर्ज पर शासकीय स्कूलों में भी पैरेंट्स मीटिंग

मुख्यमंत्री साय की अभिनव पहलः 7.59 लाख से अधिक पालक-शिक्षकों ने दी सहभागिता

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की पहल पर छत्तीसगढ़ में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और नई शिक्षा नीति के संबंध में पालकों को जानकारी देने और शिक्षा में आमजन की भागीदारी सुनिश्चित करने के मद्देनजर राज्य में मेगा पालक-शिक्षक मीटिंग का आयोजन किया जा रहा है।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री श्री साय द्वारा शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक में प्राइवेट स्कूल में आयोजित होने वाले पीटीएम की तरह सरकारी स्कूलों में भी पालक शिक्षक बैठक आयोजित करने के निर्देश दिए थे। मुख्यमंत्री श्री साय स्वयं भी पालक-शिक्षक मीटिंग में शामिल हो रहे हैं।

अपने जशपुर जिले के प्रवास के दौरान वे ग्राम बंदरचुंआ में आयोजित पालक-शिक्षक मीटिंग में शामिल हुए और स्कूली बच्चों से नई शिक्षा नीति पर चर्चा के साथ-साथ पढ़ाई को लेकर संवाद किया। बैठक में सचिव स्कूल शिक्षा सिद्धार्थ कोमल परदेशी भी शामिल हुए। संचालक लोक शिक्षण श्रीमती दिव्या मिश्रा भी महासमुंद जिले के 10 संकुलों में आयोजित बैठकों में शामिल हुई।

स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव सिद्धार्थ कोमल परदेशी ने बताया कि अब तक 5500 संकुलों में पालक शिक्षकों की मीटिंग हो चुकी है। इसमें 7.59 लाख से अधिक पालक शिक्षक शामिल हुए हैं। एक पेड़ मां नाम अभियान के तहत स्कूलों में दो लाख से अधिक पौधों का रोपण पालक एवं शिक्षकों द्वारा किया गया है। उन्होंने बताया कि पालक-शिक्षक बैठक का मुख्य उद्देश्य पढ़ाई लिखाई और स्कूली गतिविधियों में शिक्षकों के साथ पालकों की सहभागिता सुनिश्चित करना है। पालक शिक्षक बैठक चालू शैक्षणिक सत्र में तिमाही और अर्द्धवार्षिक परीक्षा परिणाम के उपरांत पालक शिक्षक बैठक आयोजित करने की योजना है। उन्होंने बताया कि बच्चों के शारीरिक, मानसिक एवं सर्वांगीण विकास हेतु विद्यालय और पालकों के मध्य समन्वय स्थापित करने साथ-साथ बच्चों की संपूर्ण गतिविधियों से पालकों को अवगत कराना है।

श्री परदेशी ने बताया कि इन आयोजनों के दौरान शिक्षकों का उन्मुखीकरण कार्यशाला भी आयोजित की जा रही है। इन कार्यशालाओं में संकुल प्राचार्य के साथ पालक, शाला विकास समिति के सदस्य, जनप्रतिनिधि, काउंसलर, शिक्षक, शिक्षाविद्, मनोवैज्ञानिक, डॉक्टर आदि शामिल हो रहे हैं। इन बैठकों में 65 हजार से अधिक शिक्षकों का उन्मुखीकरण किया गया। इसके अलावा, 16 हजार से अधिक काउंसलर, मनोवैज्ञानिक, डॉक्टर और शिक्षाविदों ने अपनी सहमति दी।

श्री परदेशी ने बताया कि इन बैठकों में जन प्रतिनिधि, जिला कलेक्टर और पालक उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के लिए शपथ भी ले रहे हैं। बैठक के बाद स्कूलों में न्यौता भोज का भी आयोजन किया जा रहा है। पालक-शिक्षक बैठकों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर पालकों से चर्चा के अलावा बच्चों की शिक्षा के लिए घर में पालकों द्वारा की जाने वाली व्यवस्थाओं पर सुझाव दिए जा रहे हैं, इसके अलावा योजनाओं और शिक्षा गुणवत्ता उन्नयन कार्यक्रमों, प्रतियोगी परीक्षाओं की जानकारी और डिजिटल प्लेटफार्म का उपयोग करने के लिए पालकों को एप डाउनलोड करवाए जा रहे हैं।

श्रीरामलला दर्शन योजना : मुंगेली के 64 तीर्थयात्री करेंगे अयोध्या दर्शन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय सरकार द्वारा छत्तीसगढ़वासियों को अयोध्या धाम का दर्शन कराने के लिए श्रीरामलला दर्शन योजना का संचालन किया जा रहा है। योजना के तहत तीर्थयात्रियों को अयोध्या में रामलला का दर्शन कराया जा रहा है। इसी तारतम्य में आज मुंगेली विधायक पुन्नूलाल मोहले, कलेक्टर राहुल देव, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक गिरिजा शंकर जायसवाल ने आज 64 यात्रियों के दल को जिला कलेक्टोरेट परिसर से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने तीर्थयात्रियों का गुलाल व पुष्पाहार से स्वागत कर यात्रा के लिए शुभकामनाएं दी। बसों में सवार ये तीर्थयात्री मुंगेली से बिलासपुर रेलवे स्टेशन जाएंगे और वहां से विशेष ट्रेन द्वारा अयोध्या के लिए प्रस्थान करेंगे। रवाना होने से पहले तीर्थयात्रियों में खासा उत्साह नजर आया।

श्री रामलला के दर्शन करने जा रहे 74 वर्षीय श्री जुठेल निषाद ने कहा कि शासन की योजना के तहत उन्हें अयोध्या में श्रीरामलला का दर्शन करने का अवसर मिल रहा है, इससे वह काफी उत्साहित है। ग्राम पथरगढ़ी के 70 वर्षीय मनहरण ने बताया कि वह अयोध्या जाने के लिए कभी नहीं सोचा था, लेकिन अब मुख्यमंत्री की श्री रामलला दर्शन योजना के तहत अयोध्या जाने का मौका मिलना सौभाग्य की बात है। वहीं ग्राम साल्हेघोरी की 75 वर्षीय सवनी बाई ने कहा कि शासन की योजना के वजह से ही वह अयोध्या जा पा रही है। सभी तीर्थयात्रियों ने प्रसन्नता जाहिर करते हुए सरकार द्वारा की गई इस पहल के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

जेम पोर्टल से ही होगी दवाओं और उपकरणों की खरीदी

स्वास्थ्य मंत्री की अध्यक्षता में सीजीएमएससी संचालक मंडल की 48वीं बैठक का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल की अध्यक्षता में मंत्रालय महानदी भवन में सीजीएमएससी संचालक मंडल की 48वीं बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेज कॉरपोरेशन की संचालक श्रीमती पद्मिनी भोई साहू ने संचालक मंडल के सामने कार्यवाही विवरण और लिए गए निर्णयों का पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

बैठक में आवश्यक निर्माण कार्य की वस्तुस्थिति, नए कार्यों की जानकारी, जेम पोर्टल से उपकरणों, कंज्यूमेबल तथा दवाइयों की खरीदी सम्बन्धी चर्चा हुई और निर्णय लिए गए। बैठक कंज्यूमेबल के क्रय हेतु सीजीएमएससी द्वारा वाणिज्य एवं उद्योग विभाग द्वारा जारी अधिसूचना दिनांक 11.07.2024 के क्रियान्वन हेतु जो कंज्यूमेबल सामग्रिया जेम पोर्टल/ई-मानक पोर्टल में उपलब्ध है, उनको जेम पर क्रय करने एवं उनका निगम में वर्तमान प्रचलित दर अनुबंध को समाप्त करने का निर्णय तथा जो कंज्यूमेबल सामग्रियां जेम पोर्टल/ई-मानक पोर्टल में उपलब्ध नहीं है, उनकी निविदा जारी कर दर-अनुबंध कर क्रय करने का निर्णय लिया गया।

बैठक में उपकरणों के क्रय हेतु सीजीएमएससी द्वारा वाणिज्य एवं उद्योग विभाग द्वारा जारी अधिसूचना दिनांक 11.07.2024 के क्रियान्वन हेतु जो उपकरण जेम पोर्टल/ई-मानक पोर्टल में उपलब्ध है, उनको जेम पर क्रय करने एवं उनका निगम में वर्तमान प्रचलित दर-अनुबंध को समाप्त करने का निर्णय तथा तथा जो उपकरण जेम पोर्टल/ई-मानक पोर्टल में उपलब्ध नही है, उनकी निविदा जारी कर दर-अनुबंध कर क्रय करने का निर्णय लिया गया।

इसी तरह से रीएजेंट के क्रय हेतु सीजीएमएससी द्वारा वाणिज्य एवं उद्योग विभाग द्वारा जारी अधिसूचना दिनांक 11.07.2024 के क्रियान्वन हेतु जो रीएजेंट जेम पोर्टल/ई-मानक पोर्टल में उपलब्ध है, उनको जेम पर क्रय करने एवं उनका निगम में वर्तमान प्रचलित दर अनुबंध को समाप्त करने का निर्णय तथा जो रीएजेंट जेम पोर्टल/ई-मानक पोर्टल में उपलब्ध नही है, उनकी निविदा जारी कर दर-अनुबंध कर क्रय करने का निर्णय लिया गया।

बैठक में अपर मुख्य सचिव मनोज कुमार पिंगुआ, विशेष सचिव चंदन कुमार, आयुक्त चिकित्सा सेवा श्रीमती किरण कौशल, संचालक स्वास्थ्य सेवाएं ऋतुराज रघुवंशी, संचालक राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन जगदीश सोनकर, संचालक आयुष सुश्री इफ्फतआरा समेत स्वास्थ्य एवं वित्त विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ में बनेंगे 146 आयुष ग्राम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्य शासन के आयुष संचालनालय द्वारा राष्ट्रीय आयुष मिशन के अंतर्गत प्रदेश में आयुष ग्राम विकसित करने आज राजधानी रायपुर में एक दिवसीय कार्यशाला-सह-प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। सिविल लाइन स्थित नवीन विश्राम भवन में आयोजित कार्यशाला में जिला आयुर्वेद अधिकारियों और सभी विकासखंडों के आयुष ग्राम के चिकित्सकों को आयुष ग्राम में क्रियान्वित की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

आयुष विभाग की संचालक इफ्फत आरा ने कार्यशाला का शुभारंभ किया। उन्होंने कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि आयुष जीवन शैली के सिद्धांतों और प्रथाओं को अपनाने तथा स्वास्थ्य सुविधाओं, स्वास्थ्य देखभाल व उपचारों पर आधारित आयुष ग्राम की परिकल्पना को साकार करने छत्तीसगढ़ के 146 विकासखंडों में आयुष ग्राम का चिन्हांकन किया गया है। राष्ट्रीय आयुष मिशन के तहत प्रदेश में 146 आयुष ग्राम विकसित किए जा रहे हैं। आयुष ग्राम के माध्यम से ग्रामीणों के स्वास्थ्य की रक्षा और आजीवन स्वस्थ रखने आयुर्वेद, योग तथा आयुष पद्धतियों के अनुसार उन्हें शिक्षित किया जाएगा। आयुष ग्रामों में जनभागीदारी के माध्यम से विभिन्न गतिविधियां संचालित की जाएगी।

छत्तीसगढ़ आदिवासी, स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधि पादप बोर्ड के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री जे.ए.सी.एस. राव ने कार्यशाला में आयुष अधिकारियों और चिकित्सकों को सर्वसुलभ औषधीय पौधों के रोपण एवं उपलब्ध बाजार की जानकारी दी। उन्होंने औषधीय गुणों से भरपूर स्टीविया, शतावरी, कालमेघ, लेमन-ग्रास, केऊकंद, अश्वगंधा, सर्पगंधा जैसे 20 पौधों को प्रदर्शित कर इनके रोपण के लिए उपयुक्त मौसम और खेती के बारे में विस्तार से बताया।

आयुष विभाग के सहायक संचालक-सह-राज्य कार्यक्रम प्रबंधक डॉ. गजेन्द्र बघेल ने कार्यशाला में आयुष ग्राम की परिकल्पना और वहां संचालित की जाने वाली गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आयुष ग्राम में लोगों को पेड़-पौधों के औषधीय गुणों के बारे में जागरुक कर इनके पौधरोपण और संरक्षण को बढ़ावा देना है। राष्ट्रीय आयुष मिशन के तहत गांवों का चिन्हांकन कर स्थानीय लोगों को आयुर्वेद के सिद्धांतों के अनुरूप स्वस्थ जीवन शैली, उचित आहार-विहार, सामान्य रोगों के उपचार के लिए आसपास पाए जाने वाले औषधीय पौधों की पहचान एवं उपयोग के लिए प्रेरित करना है।

शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय, बिलासपुर के सह-प्राध्यापक डॉ. विद्याभूषण पाण्डेय ने प्रतिभागी अधिकारियों को राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम 'आयुर्विद्या' के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि इसके माध्यम से स्कूलों में शिक्षकों और विद्यार्थियों को आयुर्वेद के बारे में जागरुक करना है। स्कूलों में बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण करना है। स्थानीय स्तर पर कार्यशालाओं का आयोजन कर लोगों को आयुष की उपयोगिता के बारे में जानकारी प्रदान कर इस क्षेत्र में उनके कौशल का उन्नयन करना है।

पालक-शिक्षक के संवाद बच्चें के सर्वांगीण विकास में निभाएगी अहम भूमिका-कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। कलेक्टर कार्तिकेया गोयल आज शहर के पीएमश्री नटवर स्कूल में आयोजित मेगा पालक-शिक्षक बैठक कार्यक्रम में शामिल हुए। यहां उन्होंने छात्र-छात्राओं एवं उनके पालकों से प्रदेश में लागू नई शिक्षा नीति की जानकारी दी और शिक्षा की गुणवत्ता पर भी चर्चा की। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत जितेन्द्र यादव उपस्थित रहे।

कलेक्टर श्री गोयल ने कहा कि शासकीय स्कूलों में पालक शिक्षक बैठक कार्यक्रम शुरू किया गया है। कार्यक्रम के माध्यम से पालकों एवं शिक्षकों का संवाद बच्चों के सर्वांगीण विकास में अहम भूमिका निभाएगा। पालक शिक्षक बैठक का मुख्य उद्देश्य है पढ़ाई-लिखाई और स्कूली गतिविधियों में शिक्षकों के साथ पालकों की सहभागिता हो। उन्होंने बताया कि आज स्कूलों में बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए बहुत सी गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। उन्होंने पालकों से अनुरोध किया कि अपने बच्चों के शिक्षकों से सतत् संपर्क में रहें। इससे बच्चे के पढ़ाई लिखाई के बारे में जानकारी मिलेगी ही साथ ही आपकी सहभागिता से बच्चे सही दिशा की ओर अग्रसर होंगे।

कलेक्टर श्री गोयल ने कहा कि पालकों को बच्चों के भविष्य के प्रति जो जिज्ञासा होती है वह पालक और शिक्षक मीटिंग के संवाद के माध्यम से जानकारी हो सकेगा। यह शैक्षणिक सत्र में चार बार होगी। उन्होंने कहा कि स्कूल में शिक्षक पेरेंट्स का रूप होता है। शिक्षकों और पालकों दोनों की सांझा जोड़ी के माध्यम से बच्चों के भविष्य को बेहतर बनाने में हेल्प करेगी। उन्होंने कहा कि हर माता-पिता की यही आशा रहती हैं की उसका बच्चा सबसे अवल्ल रहे।

न्यू लाईफ में विश्व स्तनपान सप्ताह पर प्रतियोगिता का आयोजन

बैकुण्ठपुर। न्यू लाइफ हेल्थ एण्ड एजुकेशन सोसायटी द्वारा संचालित न्यू लाईफइंस्टीट्यूट आफनर्सिंग में छात्र-छात्राओं द्वारा विष्व स्तनपान सप्ताह पर इस वर्ष रंगोली प्रतियोगिता एवं स्वास्थ्य शिक्षा का आयोजन जिला अस्पताल बैकुंठपुर में किया गया। इस वर्ष विश्व स्तनपान सप्ताह का थिम ''क्लोजीगं द गेप: ब्रेस्टफीडींग सर्पोट फेर आल'' अर्थात् ''अन्तर को कम करना: सभी के लिए स्तनपान समर्थन''है। इसका तात्पर्य स्तनपान को सभी मां के लिए आसान बनाना है। प्रत्येक वर्ष विश्व स्तनपान सप्ताह 1 अगस्त से 7 अगस्त तक मनाया जाता है। इसका उद्देश्य महिलाओं को स्तनपान के कार्य को दृढ़तापूर्वक करने का समर्थन करता है।

न्यू किट्टी बुक एंड स्टेशनरी मार्ट
• खाता बही, माला,
• फ्लावर झालर,
• लेजर बुक,
• कैश बुक,
• रोकड़ बही खाता
• कैलेंडर स्टेशनरी सामान
किसी भी बुक एंड स्टेशनरी में जाने से पहले एक बार न्यू किट्टी में जरूर पधारें...
नेहरू भवन रोड, सुपेला, भिलाई, मो.-9584917866, 6261748903

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास खबर

छेड़छाड़ के दो आरोपी गिरफ्तार

राजनांदगांव (ए.)। जिले की डोंगरगांव पुलिस ने एक नाबालिक लड़की के साथ छेड़छाड कर जान से मानने की धमकी देने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है तथा उनके पास से चाकू बरामद किया है। मिली जानकारी के अनुसार थाना डोंगरगांव मे ग्राम सालिकझिटीया निवासी प्रार्थिया के द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराया था कि उसके साथ दो व्यक्ति के द्वारा छेड़छाड कर सब्जी काटने वाले चाकू को टिकाकर जान से मानने की धमकी दी गई है। शिकायत पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ अपराध कायम कर विवेचना मे लिया गया। मामले के गंभीरता को देखते हुये त्वरित कार्यवाही करते हुये तत्काल पुलिस टीम गठित कर आरोपियो की पता तलाश की गई तथा आरोपी राजकुमार निषाद पिता यादवराम निषाद, उम्र-19 साल, , 2. भुषण सोनकर पिता संतराम सोनकर, उम्र-20 साल पता दोनो ग्राम अर्जुनी, थाना डोंगरगावं जिला राजनांदगांव को पकड़कर थाना लाकर पुछताछ किया जिन्होने दिनांक घटना समय को उक्त घटना को अंजाम देना स्वीकार किया। जिसके बाद आरोपियों के खिलाफ धारा 74 , 351(2) 3(5) बीएनएस एवं 8 पाक्सो एक्ट के तहत अपराध कायम किया गया।

बालगृह से बालक लापता

रायपुर(ए.)। बालगृह माना कैंप से एक बालक गायब हो गया। मामले में माना पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ अपहरण का मामला दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार शासकीय बाल गृह माना कैंप के कर्मचारी हेमलाल नायक 40 वर्ष ने थाना में शिकायत किया कि अज्ञात व्यक्ति ने कैंप में रहने वाला एक नाबालिक बालक को बहला फुसलाकर भगा ले गया। प्रार्थी की शिकायत पर माना पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

पुजारी के घर से सोने का मुकुट चोरी, लाखों का सामान जब्त

नाबालिग ने की थी चोरी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर में एक पुजारी के घर पर 17 साल के नाबालिग ने ताला तोड़कर चोरी की वारदात को अंजाम दिया है। पुलिस ने नाबालिग को गिरफ्तार कर लिया है। पुजारी के मुताबिक वह अपने दादा के साथ घर में ताला लगाकर मंदिर गया हुआ था, तभी ये घटना हुई। टिकरापारा पुलिस की दर्ज एफआईआर में डेढ़ लाख की चोरी की जानकारी है, लेकिन अब चोर के पास से करीब 6 लाख का माल बरामद किया गया है। सोने के जेवर

प्रार्थी अभिषेक शर्मा ने एफआईआर में पुलिस को बताया कि वह गोल बाजार स्थित प्राचीन शनि मंदिर में पूजा पाठ करता है। 21 जुलाई को शाम को साढ़े 6 बजे वह अपने दादा हजारी लाल शर्मा के साथ घर में ताला लगाकर मंदिर गया था। करीब 1 घंटे बाद दोनों घर लौटे तो मेन गेट का ताला टूटा हुआ था। घर के अंदर का सारा सामान बिखरा पड़ा था।

चोर ने घर से सोने का मुकुट, 4 चांदी की चेन, चांदी के सिक्के, पायल और बैग के अंदर रखें 90 हजार रुपए नगद की चोरी कर ली। इसके अलावा स्टेट बैंक और बड़ोदा बैंक का एटीएम कार्ड भी चोर ले भागे। इस मामले में अभिषेक ने टिकरापारा थाने में शिकायत स्न्ढ्ढक्र दर्ज करवाई थी। जिसमें करीब डेढ़ लाख की चोरी की बात लिखी थी।

पुलिस को घटनास्थल के आसपास मिले सीसीटीवी और सबूतों के आधार पर जांच में जुटी थी। इस दौरान पुलिस को एक नाबालिग के बारे में जानकारी मिली। पुलिस ने जब उससे कड़ाई से पूछताछ की तो पूरे मामले का खुलासा हो गया। नाबालिग के पास से सोने-चांदी के गहने और कैश समेत करीब 6 लाख का माल बरामद हुआ है।

चौपाटी में युवतियों ने युवक की कर दी पिटाई

वीडियो वायरल करने को लेकर हुआ विवाद

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। कोरबा के मध्य घंटाघर स्थित चौपाटी में एक युवक की कुछ युवतियों ने जमकर पिटाई कर दी। युवतियों का आरोप है कि युवक के द्वारा सोमवार को कनकी मेले में लड़कियों के बीच हुए विवाद का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया में वायरल कर दिया था।

इसके बाद से वह उसे युवक को ढूंढ रहे थे, फोन करने पर फोन भी नहीं उठा रहा था। अचानक उनका आमना-सामना घंटा घर स्थित ओपन थिएटर में आयोजित एक मेल कार्यक्रम में फिर से युवक से हो गया। जहां युवतियों ने युवक को लात-घूंसे और थप्पड़ से पीटना शुरू कर दिया। इस नजारे को देखने लोगों की भीड़ एकत्रित हो गई। लोगों को समझ नहीं आ रहा था कि युवतियां युवक की किस बात पर पिटाई कर रही हैं। जब लोगों के द्वारा पूछा गया तो उन्होंने बताया कि युवक फेमस होने के लिए युवतियों का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया में वायरल कर रहा है।

युवतियां युवक का कालर पकड़ कर इधर से उधर लेकर जा रही थीं। यह ड्रामा लगभग आधा घंटे तक चलता रहा। राहगीरों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। जहां सिविल लाइन पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने किसी तरह भीड़भाड़ को वहां से हटाया और युवक और युवतियों को सिविल लाइन थाना लेकर पहुंची और उनसे पूछताछ की। बताया कि सोशल मीडिया पर वीडियो बनाकर वायरल करने को लेकर विवाद हुआ था। बताया जा रहा है कि युवक के मोबाइल से बनाए गए वीडियो को सोशल मीडिया से डिलीट कराया गया। वहीं, दोनों के परिजनों को सिविल लाइन थाना पुलिस में बुलाया गया।

बंद खाते का उपयोग कर लाखों की ठगी, जुर्म दर्ज

रायपुर। सिविल लाइन स्थित आईडीबीआई बैंक के तत्कालीक प्रबंधक ने युवक के खाता का उपयोग कर 24 लााख 90 हजार का लेन-देन किया। प्रार्थी की शिकायत पर सिविल लाइन पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का अपराध दर्ज किया है।

मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी राजेश कुमार रहंगडाले 45 वर्ष सत्यम विहार कालोनी रायपुरा का रहने वाला है। प्रार्थी ने आरोपी राजेश सचदेवा से मिलकर अपने आईडीबीआई बैंक शाखा के खाता को बंद करने का आवेदन दिया था। जिसे आरोपी ने बंद ना कर बैंक के कर्मचारियों के साथ मिलकर ईमेल आईडी और मोबाइल फोन नंबर को बदल कर 24 लाख 90 हजार रुपए का लेन देन किया। जब प्रार्थी को इसकी जानकारी हुई तो उसने इसकी शिकायत सिविल लाइन थाना में की। मामले में पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

नगर नार स्टील प्लांट के ब्लास्ट फर्नेस में शॉर्ट सर्किट से लगी आग, 4 कर्मचारी झुलसे, 2 की हालत गंभीर

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। बस्तर जिले के नगरनार स्थित एक स्टील प्लांट के ब्लास्ट फर्नेस में अचानक शॉर्ट सर्किट होने की वजह से इस बीच चार कर्मचारी आग में झुलस गए हैं। जिनमें से दो गंभीर रूप से घायल कर्मचारियों को इलाज के लिए रायपुर रेफर किया है। इसके साथ ही बाकी दो कर्मचारियों जगदलपुर के महारानी अस्पताल में का इलाज अभी इलाज जारी है।

यह हादसा इस प्लांट के भीतर ब्लास्ट फर्नेस में ब्रेकर मेंटेनेंस में चल रहे काम के दौरान ब्लास्ट हुआ है। बताया जा रहा है कि इस काम के लिए दो निजी कंपनियों के कर्मचारी को प्लांट प्रबंधन ने तैनात किया था। बतादें कि काम के दौरान ही यूनिट में शॉर्ट सर्किट होने की वजह से बड़ा विस्फोट हुआ है। जिसके चलते सीनियर टेक्नीशियन तापस नायक, लहरे सिंह, इंटरप्राइजेज के देवेंद्र नाग, सीमेंस कंपनी के महेंद्र कुमार और मरेंद्र कुमार चौधरी सहित यहां पर काम कर रहे लोग इस विस्फोट के चपेट में आने से इस दौरान बुरी तरह झुलस गए है। फिलहाल अभी इन्हें इलाज के लिए रायपुर लाया गया है।

रेलवे स्टेशन के लिफ्ट में फंसे यात्री, हलक में अटकी जान, कांच तोड़कर यात्रियों का किया रेस्क्यू

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर के रेलवे स्टेशन में मंगलवार को चार यात्री लिफ्ट में फंस गए। लिफ्ट में फंसने से चीख पुकार मच गई। जैसे ही लिफ्ट में यात्रियों के फंसने की खबर फैली स्टेशन परिसर में हड़कंप मच गया। कुछ ही देर में सुरक्षाकर्मी पहुंचे और लिफ्ट का कांच तोड़कर सभी को सुरक्षित बाहर निकाला।

मिली जानकारी के अनुसार रायपुर रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर एक पर मौजूद लिफ्ट के अंदर चार यात्री फंस गए थे। फंसे यात्रियों में दो बच्चे भी थे। लिफ्ट में फंसने के कारण मौके पर चीखपुकार मच गई। घटना की सूचना स्टेशन अधीक्षक को दी गई। इसके बाद रेलवे के सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत राहत कार्य में जुट गये और किसी तरह से लिफ्ट का कांच तोड़कर उन्हें सुरक्षित बाहर निकाला गया।

लिफ्ट कैसे बंद हुई इसकी जानकारी नहीं मिल पाई है। रेलवे के अधिकारियों ने इस मामले की जांच कराने के आदेश दिए हैं। इसके साथ ही लिफ्ट की नियमित जांच और मेंटेनेंस के भी निर्देश भी दिये गये हैं, जिससे भविष्य में इस तरह की घटना दोबारा न हो सके। फिलहाल, लिफ्ट को बंद कर दिया गया है। रायपुर रेलवे प्रशासन ने इस असुविधा के लिए रेल यात्रियों से खेद जताया है।

श्रमिक नेता पर हमला

कोरबा (ए.)। कोरबा जिले के दीपका थाना अंतर्गत सोमवारी बाजार के पास देर रात लगभग 10 बजे श्रमिक संगठन एटक के नेता मनमीत पर अज्ञात युवकों ने जानलेवा हमला कर दिया। घटना को अंजाम देने के बाद हमलावर फरार हो गए। मनमीत के साथ अज्ञात युवकों ने रॉड, लाठी, डंडे से जानलेवा हमला कर दिया। हमले से गंभीर श्रमिक नेता को अस्पताल दाखिल कराया गया है। प्रत्यक्ष दर्शियों ने बताया कि पहले सिर पर रॉड से वार किया गया, उसके बाद सीने में दोबारा हमला किया फिर आरोपी मौके से फरार हो गए। इधर घटना की जानकारी फैलते ही लोग अस्पताल पहुंचने लगे। श्रमिक नेता पर हमला किन कारणों से हुआ है, वो लोग कौन हैं, पुलिस इन सबकी जांच कर रही है।

हावारिस हालत में मिले सैकड़ों आधार कार्ड

श्रीकंचनपथ न्यूज

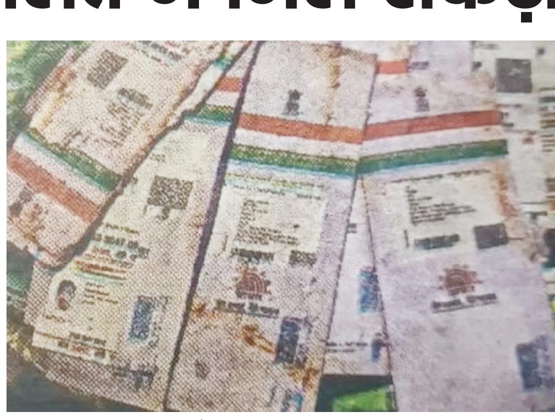

कोरबा। जिले में कटघोरा वन मंडल के पाली अंतर्गत दमिया जंगल और रंगोले वन क्षेत्र में बड़ी संख्या में आधार कार्ड फेंका हुआ मिला है। मॉर्निंग वॉक पर गए कुछ लोगों ने इसे देखा।

प्रत्यक्षदर्शी के अनुसार लावारिस हालत में जंगल में फैले सैकड़ों आधार कार्ड को जानबूझ कर फेंका गया प्रतीत होता है। क्योंकि यह लावारिस हालत में रहता तो किसी बैग या बोरे में मिलता, लेकिन यह दूर-दूर तक फेंका हुआ पड़ा है। जो पानी में खराब हो रहा है। यह किसकी लापरवाही का नतीजा है यह जांच का विषय है। केंद्र सरकार की अति महत्वाकांक्षी विशिष्ट पहचान पत्र आधार कार्ड को नामांकित व्यक्तियों तक पहुंचाने की जवाबदेही डाकघर की होती है। बताया जा रहा हैं की प्रथम दृष्टया प्रतीत होता है कि किसी डाक कर्मी ने वितरण करने के बजाय इसे फेंक दिया होगा। अधिकांश आधार कार्ड में झाबर (दीपका) के नाम पते उल्लेखित हैं, लेकिन इस तरह से आधार कार्ड को फेंका जाना बड़ी लापरवाही का नतीजा कहा जा सकता है। इसकी जांच और कार्यवाही अति आवश्यक है।

हाल ही में बड़ी संख्या में सभी लोक सेवा केंद्रों में आधार कार्ड अपडेट हुआ है। इस पहचान पत्र के जरिए शासन की विभिन्न प्रकार की योजनाओं का लाभ लेना हो, निर्वाचन या अन्य कोई भी शासकीय योजना, निजी काम हो आधार कार्ड सबसे महत्वपूर्ण पहचान पत्र माना जाता है। इसे संबंधितों तक न पहुंचाकर जंगल में फेंक दिया गया है।

ट्रैन के कोच में शराब सप्लाई करता पकड़ा गया अटेंडर

रायपुर (ए.)। आबकारी टीम रायपुर की टीम ने संपर्क क्रांति ट्रेन से हरियाणा की शराब जब्त की है। मुखबिर से सूचना मिली कि रायपुर स्टेशन में संपर्क क्रांति एक्सप्रेस में रेलवे कोच के अटेंडर द्वारा अवैध शराब बेची जा रही है।

सूचना पर ट्रेन में तलाशी ली गई। आरोपी के पास से हरियाणा की निर्मित व्हिस्की बरामद की गई। मामले में अपराध दर्ज कर आरोपी को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। इधर रायपुर में एक युवक अवैध तरीके से शराब बेचते गिरफ्तार हुआ है। आरोपी ने एक बोरी में शराब छिपाकर रखा हुआ था। जिसे बेचने के लिए ग्राहक की तलाश कर रहा था। तभी पुलिस को भनक लग गई। युवक को घेर लिया गया। युवक पर आबकारी एक्ट में एक्शन लिया गया है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, रविवार को एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट की टीम को सूचना मिली के पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र में आछी तालाब भांठागाव के पास एक खंडहर मकान के पास एक युवक खड़ा है। उसने बोरी में शराब रखा हुआ है। जिसे बेचने के लिए वह ग्राहक की तलाश कर रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस की टीम को मौके में पहुंची। पूछताछ में युवक ने अपना नाम संजय ध्रुव निवासी गणेश चौक भांठागाव बताया। उसके पास रखे बोरे की तलाशी लेने पर उसमें करीब 30 बॉटल देशी शराब रखी हुई मिली। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है।

कार्यालय, नगर पालिक निगम, भिलाई

(संपत्तिकर विभाग)

क्रमांक/चार/तीन/सं.क.वि./2024/413/120   भिलाई, दिनांक 05/08/2024

//स्वामित्व के हस्तांतरण की सूचना //

इस ईश्तहार द्वारा हित रखने वाले हितग्राही को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 में स्वत्वाधिकार के अंतरण के संबंध में निम्नलिखित हस्तांतरिती के नाम से जिसका कि नगर पालिक निगम भिलाई के संपत्तिकर अभिलेख में हस्तांतरणकर्ता के स्थान पर नाम दर्ज किया जाना है यदि किसी को इस संबंध मे कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन तिथि से 15 दिनों के भीतर अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है बाद मे प्रस्तुत आपत्ति पर विचार नही किया जावेगा:-

क्र.	हस्तांतरणकर्ता का नाम	हस्तांतरिती का नाम	हस्तांतरण का स्वरूप	संपत्ति की स्थिति
1	1. श्री अनूप श्रीवास्तव, पिता स्व. विनोद कुमार श्रीवास्तव, 2. श्री अतुल कुमार श्रीवास्तव, पिता स्व. विनोद कुमार श्रीवास्तव, दोनों निवासी- फ्लैट नं. 307, ब्लॉक ए, एम.जे.कॉलेज के सामने, कोहका, सूर्या रेसीडेन्सी, सुपेला, भिलाई, तह. व जिला- दुर्ग(छ.ग.)	श्री अनूप श्रीवास्तव, पिता स्व. विनोद कुमार श्रीवास्तव, निवासी- फ्लैट नं. 307, ब्लॉक ए, एम.जे.कॉलेज के सामने, कोहका, सूर्या रेसीडेन्सी, सुपेला, भिलाई, तह. व जिला- दुर्ग(छ.ग.)	हकत्याग	कोहका (सूर्या रेसीडेन्सी अपार्टमेंट भिलाई) (वार्ड नं.- 07 फरीद नगर कोहका वार्ड के सूर्या रेसीडेन्सी अंदर भाग) भिलाई, फ्लैट क्रमांक- गोल्ड-307(तृतीय तल), ब्लॉक-ए, रकबा- 1209 वर्गफीट पर आवासीय फ्लैट निर्मित।
2	श्रीमती ममता चौहान, ध.प. श्री कमल कुमार चौहान, निवासी- मकान नं.- बी/56, फेस-2 सूर्या विहार, जुनवानी भिलाई, तह. व जिला- दुर्ग(छ.ग.)	श्रीमती ज्योति खटवानी, ध.प. श्री घनश्याम दास खटवानी, निवासी- मकान नं.- 602, सड़क नं. 6बी, शान्ति नगर कालोनी, कोहका भिलाई, तह. व जिला- दुर्ग(छ.ग.)	बिक्रीनामा	कोहका, शान्ति नगर वार्ड क्र. 10 (शान्ति नगर कालोनी अन्दर भाग) भिलाई, खसरा क्रमांक- 7820, रकबा- 3060 वर्गफीट, भवन निर्मित।
3.	1. स्व. श्रीमती स्वपना डे आ. श्री जगमोहन, 2. श्री सौमेन डे आ. श्री एस.बी.डे., निवासी- फ्लैट नं. प्लेटिनम- 109, ब्लॉक-सी, प्रथम तल, सूर्या रेसीडेन्सी अपार्टमेंट, कोहका भिलाई, तह. व जिला- दुर्ग(छ.ग.)	श्री सौमेन डे आ. श्री एस.बी.डे., निवासी- फ्लैट नं. प्लेटिनम- 109, ब्लॉक-सी, प्रथम तल, सूर्या रेसीडेन्सी अपार्टमेंट, कोहका भिलाई, तह. व जिला- दुर्ग(छ.ग.)	वारिसान	कोहका, वार्ड-8 सूर्या रेसीडेन्सी अपार्टमेंट, कोहका भिलाई, फ्लैट नं. प्लेटिनम- 109, ब्लॉक-सी, प्रथम तल, क्षेत्रफल-1651 वर्गफीट पर आवासीय फ्लैट निर्मित।
4.	मेसर्स वन्देमातरम बिल्डर्स, पार्टनर श्री श्रीनिवास खेड़िया, निवासी-श्रीसदन, ए मार्केट, सेक्टर-1, भिलाई एवं मेसर्स श्रीराम डेव्हलपर्स, पार्टनरशिप श्री ओमप्रकाश शर्मा, आ. स्व. श्री सुन्दर लाल शर्मा निवासी-27/11, नेहरूनगर, भिलाई, तह. व जिला- दुर्ग(छ.ग.)	श्रीमती संगीता अग्रवाल ध.प. श्री निलेश अग्रवाल, निवासी- 16, वार्ड नं.- 27, जोन 1, मार्केट, पावर हाउस, सेक्टर 11, खुर्सीपार भिलाई, तह. व जिला- दुर्ग(छ.ग.)	बिक्रीनामा	श्रीराम हाईट्स, कैलाश नगर, कुरूद भिलाई, फ्लैट नं.- जी-204, द्वितीय तल, क्षेत्रफल-656 वर्गफुट पर आवासीय फ्लैट निर्मित।
5.	के श्रीनिवास उर्फ कुनपुली श्रीनिवास, आ. स्व.के.जी. के. मूर्ति, निवासी- लोट्स- 257/ए. ब्लाक, तालपुरी, रूआबांधा भिलाई, तह. व जिला- दुर्ग (छ.ग.)	श्रीमती के. वसंता, पति के. रवि किरण, निवासी- एम.आई.जी.- 2/452, आमदी नगर हुडको भिलाई, तह. व जिला- दुर्ग (छ.ग.)	बिक्रीनामा	आमदी नगर हुडको भिलाई, वार्ड-69, शहीद कौशल यादव नगर दक्षिण(अंदर भाग) भिलाई, खसरा नं.-1/2, 2/2, भूखण्ड क्रमांक-एम.आई.जी.-II, प्लाट नं.-452, रकबा-160 वर्गमीटर, आवासीय भवन निर्मित।
6.	मेसर्स बिल्टेक इंजी. प्रा.लिमि. डायरेक्टर श्री मनीष गुप्ता आ. श्री कुलदीप कुमार गुप्ता, पंजीकृत कार्यालय चतुर्थ तल, सूर्या ट्रेंजर आईजलैण्ड मॉल, जुनवानी, भिलाई, तह. व जिला-दुर्ग(छ.ग.), निवासी- 54, नेहरू नगर (पूर्व) भिलाई, तह. व जिला-दुर्ग (छ.ग.) के तरफ से आम मुख्तार श्री- सुधा खण्डेलवाल, ध.प. स्व. दीपक कुमार खण्डेलवाल, निवासी- मकान क्र. 266, पोलसायपारा, श्याम नगर दुर्ग, तह. व जिला- दुर्ग (छ.ग.)	श्रीमती रश्मि आहूजा, ध.प. श्री मनोज आहूजा, निवासी- प्लाट नं. 5, ब्लॉक नं. 13, नेहरू नगर (पश्चिम) मोतीलाल नेहरू नगर भिलाई, तह. व जिला- दुर्ग (छ.ग.)	बिक्रीनामा	जुनवानी वार्ड क्र. 01(सूर्य विहार फेस -1) भिलाई, प्लाट नं.- ए/12, खसरा नं. - 728/2 (शामिल खसरा नं. 728/3) क्षेत्रफल- 3000 वर्गफीट।
7.	मेसर्स बिल्टेक इंजी. प्रा.लिमि. डायरेक्टर श्री मनीष गुप्ता आ. श्री कुलदीप कुमार गुप्ता, निवासी- 54, नेहरू नगर (पूर्व) भिलाई, तह. व जिला-दुर्ग (छ.ग.) के तरफ से आम मुख्तार श्री- सुधीर कुमार पाण्डेय, आ. स्व. खूबीराम पाण्डेय, निवासी- एम.आई.जी. I/1847/ए, हाउसिंग बोर्ड औद्योगिक क्षेत्र, वार्ड क्र. 26 भिलाई, तह. व जिला-दुर्ग (छ.ग.)	श्रीमती रितु आहूजा, आत्मज श्री मनोज आहूजा, निवासी- प्लाट नं. 13/5, नेहरू नगर (पश्चिम) मोतीलाल नेहरू नगर भिलाई, तह. व जिला- दुर्ग (छ.ग.)	बिक्रीनामा	जुनवानी वार्ड क्र. 01(सूर्य विहार फेस -1) भिलाई, प्लाट नं.- ए/13, खसरा नं. - 725/4, क्षेत्रफल- 3000 वर्गफीट।
8.	मेसर्स बिल्टेक इंजी. प्रा.लिमि. डायरेक्टर श्री मनीष गुप्ता आ. श्री कुलदीप कुमार गुप्ता, निवासी- 54, नेहरू नगर (पूर्व) भिलाई, तह. व जिला-दुर्ग (छ.ग.) से 1. श्री बी.प्रिन्स कुमार आ. श्री बेबी टी. वर्गीस, 2. श्रीमती बिंसी प्रिन्स ध.प. श्री बी. प्रिन्स कुमार, दोनो निवासी- हाउस नं.-एफ.10/हाउसिंग बोर्ड, पदमनाभपुर दुर्ग, तह. व जिला- दुर्ग(छ.ग.)	श्री कमल किशोर अवस्थी, पिता- श्री रामकृपाल अवस्थी, निवासी- एम.आई.जी. -1/166, हुडको भिलाई, तह. व जिला- दुर्ग(छ.ग.)	बिक्रीनामा	जुनवानी वार्ड क्र. 01, सूर्यविहार (सूर्या टावर नं. 01) जुनवानी, भिलाई, फ्लैट नं.-65, छटवां तल, क्षेत्रफल- 1130.90 वर्गफुट पर आवासीय फ्लैट निर्मित।

उपायुक्त (संपत्तिकर)
नगर पालिक निगम, भिलाई

बच्चे की पहली पाठशाला होता है परिवार- विष्णुदेव साय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय बंदरचुंआ के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में आयोजित मेगा पालक शिक्षक बैठक कार्यक्रम में शामिल हुए। यहां उन्होंने पालक शिक्षक बैठक में शामिल होकर पालकों से कार्यक्रम को लेकर उनके अनुभव जानें। बच्चों के माता-पिता के साथ कुछ बच्चों के दादा-दादी भी कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे थे।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि परिवार किसी भी बच्चे की पहली पाठशाला है और माता-पिता पहले गुरु। शासकीय स्कूलों में पालक शिक्षक संवाद का कार्यक्रम शुरू किया गया है जिससे पालकों को उनके बच्चों के पढ़ाई लिखाई के बारे में जानकारी मिले और बच्चे के शैक्षणिक प्रगति में उनकी भी सहभागिता हो। उन्होंने बताया कि आज स्कूलों में बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए बहुत सी गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। उन्होंने पालकों से अनुरोध किया कि अपने बच्चों के शिक्षकों से सतत संपर्क में रहें। इससे बच्चे की पढ़ाई-लिखाई के बारे में जानकारी तो मिलेगी ही साथ ही आपकी सहभागिता से बच्चे के गलत संगत में जाने की आशंका भी नही होगी। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने पालकों को सम्मानित भी किया।

इस मौके पर स्कूल शिक्षा सचिव सिद्धार्थ कोमल परदेशी ने भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सभी साढ़े पांच हजार संकुलों में मेगा पालक शिक्षक मीटिंग कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। पिछले दिनों मुख्यमंत्री ने शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक में यह बात रखी कि प्राइवेट स्कूल में पीटीएम आयोजित होता है लेकिन सरकारी स्कूलों में यह नही होता है। इसे हमें लागू किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री के निर्देश पर यह पालक शिक्षक बैठक आयोजित की जा रही है। यह बच्चे के सर्वांगीण विकास में अहम भूमिका निभाएगी। पालक शिक्षक बैठक का मुख्य उद्देश्य है पढ़ाई लिखाई और स्कूली गतिविधियों में शिक्षकों के साथ पालकों की सहभागिता हो।

गुरूदेव टैगोर की पुण्यतिथि पर साय ने किया नमन

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने विश्वविख्यात कवि, साहित्यकार, दार्शनिक और भारत के राष्ट्रगान के रचयिता गुरूदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर की पुण्यतिथि 07 अगस्त पर उन्हें नमन किया है। श्री साय ने गुरूदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर के योगदान को याद करते हुए कहा कि गुरूदेव रवीन्द्रनाथ जी बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे। उन्होंने कई उपन्यास, निबंध, लघु कथाएं, नाटक और कई गाने लिखे। उन्होंने बांग्ला साहित्य के माध्यम से भारतीय सांस्कृतिक चेतना में नई जान फूंक दी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि एक कवि, लेखक, नाटककार, संगीतकार, चित्रकार, दार्शनिक और समाज सुधारक, टैगोर जी अपनी कविताओं के संग्रह 'गीतांजलि' के लिए साहित्य में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित होने वाले पहले एशियाई थे। उनके लिखे गीतों ने संगीतबद्ध होकर रविन्द्र संगीत की नई संस्कृति को जन्म दिया। उनकी लेखनी के व्यापक प्रभाव का ही परिणाम है कि उनकी रचनाएं भारत और बांग्लादेश का राष्ट्रगान बनीं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि गुरूदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर का बहुमुखी व्यक्तित्व और कृतित्व अतुलनीय है, उनका जीवन एवं उनकी अद्भुत रचनाएं हम सभी के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं।

मुख्यमंत्री ने पालकों से जाने पालक शिक्षक संवाद के अनुभव

दादा ने बताया मैं भी यहां से पढ़ा मेरा पोता भी पढ़ रहा

डोंडापानी के हरिसेवक चौहान ने बताया कि वे खुद इसी स्कूल से पढ़े हैं और अब उनका एक पोता यहां से पढ़कर अभी एमएससी कर रहा है। वहीं दूसरा पोता अभी जीव विज्ञान विषय के साथ कक्षा 11वीं में है। उन्होंने इस कार्यक्रम को शिक्षा गुणवत्ता बेहतर करने की दिशा में एक शानदार पहल बताया। उन्होंने कहा कि हमारे शिक्षक कहते थे, मैं आपको तो पढ़ा ही रहा हूं आपके साथ आपके बच्चों की अच्छी शिक्षा का माध्यम भी बन रहा हूं क्योंकि आप शिक्षित होंगे तो आपका बच्चा भी निश्चित रूप से शिक्षित होगा। पालक शिक्षक के बीच संवाद से बच्चे के शिक्षा के स्तर की निरंतर मॉनिटरिंग होगी और उनकी नींव मजबूत होगी।

जादुई पिटारा की खूबियों से प्रभावित हुए मुख्यमंत्री साय

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के समक्ष जशपुर जिले के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बंदरचुआं में शैक्षणिक गतिविधियों के लिए संचालित डिजिटल एप ई-जादुई पिटारा की खूबियों का प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन के दौरान शिक्षिका शशिकिरण कश्यप ने बहुत ही सुंदर तरीके से एक छोटी-सी कहानी बताई। कक्षा 5वीं के बच्चे प्रतीक कुजूर, स्नेहा मिंज और प्रियंका बाई ने किस तरह खेल-खेल में इस एप के माध्यम से सिखाया जाता है, उसका बहुत ही सुंदर प्रदर्शन किया।

ई-जादुई पिटारा नई शिक्षा नीति ने तहत ही बनाया गया है ताकि बच्चों को पढ़ाई बोझ न लगे और नवाचार के माध्यम से बच्चे कठिन विषयों को भी खेल-खेल के माध्यम से आसानी से सीख सकते हैं। इस एप को मुख्य रूप से प्राइमरी तक के बच्चों के लिए बनाया गया है। इस एप के माध्यम से बच्चों को उनके रुचि के अनुकूल बहुत ही सरल और मनोरंजक तरीके से सिखाया जाता है।

इस एप में कहानियां, बालगीत, पहेलियां, कार्ड, ऑडियो पुस्तकें, खिलौने और खेल, हैंडबुक चार्ट और जादुई पिटारा बॉक्स के माध्यम से बच्चों के लिए रचनात्मक गतिविधियों का संचालन किया जाता है।

इस एप से बच्चे, शिक्षक और पालक जुड़े रहते हैं। स्कूल में यदि कोई भी रचनात्मक गतिविधि होती है तो उसे इस एप में अपलोड कर सकते है। जिसे कोई भी पालक, बच्चे और टीचर अवलोकन कर सकते है। मुख्यमंत्री श्री साय ने बच्चों का उत्साहवर्धन किया और पूरे मन लगाकर पढ़ाई करने की सीख दी। इस दौरान मुख्यमंत्री की धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या साय, स्कूल शिक्षा सचिव सिद्धार्थ कोमल सिंह परदेशी, कलेक्टर डॉ. रवि मित्तल उपस्थित थे।

बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए शिक्षक-पालक संवाद जरूरी- मुख्यमंत्री

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जशपुर जिले के ग्राम बंदरचुंआ में आयोजित मेगा शिक्षक पालक कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि बच्चों की अच्छी शिक्षा और इनके उन्नत भविष्य के लिए यह आवश्यक है कि अभिभावक शिक्षकों से नियमित रूप से संवाद करें। जितना अधिक शिक्षक और अभिभावक संवाद प्रक्रिया में हिस्सा लेंगे, उतना ही अधिक बच्चों का रचनात्मक विकास होगा। उन्होंने पालकों तथा शिक्षकों से कहा कि बच्चों के व्यक्तित्व विकास के लिए उन्हें बेझिझक बोलने के लिए तैयार करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा विकास का मूलमंत्र हैं। यह केवल नौकरी पाने का माध्यम नहीं है बल्कि किसी भी क्षेत्र में सबसे अच्छा काम करने के लिए भी शिक्षा बेहद जरूरी है। एक शिक्षित और अशिक्षित व्यक्ति दोनों ही जीवन जीते हैं लेकिन दोनों के जीवन की गुणवत्ता में काफी अंतर देखने में आता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षक बच्चे के भीतर आई जिज्ञासाओं का समाधान करने की कोशिश करें। घर पहुंचने पर यह जरूर पूछें कि बच्चे ने आज क्या सीखा। मुख्यमंत्री ने कहा कि बंदरचुंआ के स्कूल से पुराना लगाव है। यहां के शिक्षक और जागरूक पालकों के कारण इस स्कूल में शिक्षा का स्तर काफी अच्छा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत के समाज में पुरातन काल से ही शिक्षा का काफी महत्व रहा है। भारत विश्वगुरू कहलाता था। पूरी दुनिया से लोग यहां के विश्वविद्यालयों में शिक्षा ग्रहण करने आते थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नई शिक्षा नीति लाई गई है जिसे प्रदेश में लागू किया गया है। इसमें नैतिक शिक्षा को भी शामिल किया गया है। संस्कार सिखाने के साथ ही रोजगार के लिए भी विद्यार्थियों को तैयार किया जा रहा है। छात्रों के स्किल बिल्डिंग पर काम किया जा रहा है, ताकि उनके लिए रोजगार के अवसर बढ़ सकें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस गर्मी में समर कैंप लगाए गए। बच्चों को बहुत सी रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ा गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि शासकीय स्कूलों में पालक शिक्षक बैठक का नियमित आयोजन किया जाएगा। उन्होंने सभी पालकों से अनुरोध किया कि स्कूल आएं और अपने बच्चे के पढ़ाई लिखाई और प्रोग्रेस के बारे में जाने। उन्होंने कहा कि स्थानीय बोली भाषा में भी पढ़ाई को बढ़ावा दिया जायेगा। इसके लिए किताबें भी उपलब्ध कराई जायेगी। पीएमश्री योजना से स्कूलों में संसाधनों को बेहतर किया जायेगा। टॉपर बच्चों को सम्मानित किया जाएगा। सरस्वती सायकल योजना से छात्राओं को सायकल वितरण किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नालंदा परिसर की तर्ज में प्रदेश के 22 जिलों में पुस्तकालय का निर्माण किया जा रहा है, इसमें जशपुर और कुनकुरी में भी नालंदा परिसर खोलने जा रहे हैं। यहां बच्चों को प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी के किताबें वातावरण भी उपलब्ध कराई जाएंगी।

मुख्यमंत्री की घोषणाएं

इस मौके पर मुख्यमंत्री ने बंदरचुंआ में सर्वसुविधायुक्त बस स्टैंड निर्माण की घोषणा की। साथ ही उन्होंने प्राथमिक शाला बंदरचुंआ से छेराघोघरा चौक तक सड़क किनारे सोलर स्ट्रीट लाइट लगाने, भुइयार बस्ती से सरना पहुंच मार्ग में सड़क और पुल, गायत्री मंदिर और शिव मंदिर के जीर्णोद्धार, आश्रम छात्रावास को 50 सीटर से 100 सीटर करने तथा बंदरचुंआ में मिनी स्टेडियम निर्माण की घोषणा की।

महतारी हितग्राही को सीएम साय ने सौंपा 2 लाख वां पौधा, जशपुर में चल रहा वृहत वृक्षारोपण अभियान

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत जशपुर जिले में चल रहे वृहत पौध वितरण अभियान का 2 लाख वां पौधा बंदरचुंआ की महतारी वंदन योजना की हितग्राही श्रीमती नीलम टोप्पो को सौंपा। गौरतलब है कि जशपुर जिले में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत वृहत वृक्षारोपण के लिए महतारी वंदन योजना की हितग्राहियों को नि:शुल्क पौधा वितरण किया जा रहा है, जिसकी शुरुआत मुख्यमंत्री श्री साय ने बीते माह 14 जुलाई को दुलदुला से की थी। मुख्यमंत्री श्री साय ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत जशपुर जिले में चल रहे वृहत पौध वितरण अभियान के हितग्राहियों को प्रमाण पत्र भी वितरण किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के साथ उनकी धर्मपत्नी कौशल्या साय उपस्थित रही।

श्रीमती टोप्पो ने बताया कि वह अपने घर के आंगन में अपनी सासु मां के नाम से यह आम का पौधा लगाएंगी। महतारी वंदन योजना को लेकर उन्होंने कहा कि उन्हें हर माह 1 हजार की राशि मिल रही है। पिछले माह मिली राशि से

उन्होंने अपने बेटे इशांत टोप्पो के लिए कॉपी, स्कूल बैग और पाठ्य सामग्री खरीद कर दी। वह कक्षा 6वीं का छात्र है। उन्होंने खुशी जाहिर करते हुए बताया कि यह पहला अवसर है, जब मैंने स्वयं की राशि से बच्चे को स्कूल के लिए कुछ खरीदकर दिया है। यह महतारी वंदन से मिली राशि से ही संभव हुआ है। महतारी वंदन की राशि का उपयोग मैं अपने दैनिक उपयोग की सामग्री क्रय करने पर व्यय करती हूं। साथ ही कुछ राशि को भविष्य के लिए बचत करके रखती हूं ताकि आपात स्थिति में उस राशि का उपयोग किया जा सके।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जशपुर जिले के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बंदरचुआँ में संकुल स्तरीय पालक-शिक्षक सम्मेलन में शामिल हुए और राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर शिक्षकों से चर्चा की। बैठक में बंदरचुआं स्कूल के शिक्षक, बच्चे और पलकों से मुख्यमंत्री श्री साय ने विस्तृत चर्चा की। इस दौरान उनके साथ उनकी धर्मपत्नी कौशल्या साय भी मौजूद रही।

स्कूल में बच्चों ने प्रदर्शनी लगाई थी, जिसका अवलोकन मुख्यमंत्री ने किया। बच्चों ने शिक्षा डिजिटल एप्प के संदर्भ में मुख्यमंत्री श्री साय को विस्तृत जानकारी दी। बच्चों से संवाद करते हुए मुख्यमंत्री ने बच्चों को अच्छी पढ़ाई के साथ खेल और अन्य शैक्षणिक गतिविधियों में भी शामिल होने की बात कही। इसके साथ ही उन्होंने अभिभावकों से बच्चों के शैक्षणिक विकास और स्कूलों के माध्यम से मिल रही शिक्षा की गतिविधियों के साथ ही ग्राम के विकास की बात करते हुए बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की।

शिक्षा स्तर में सुधार से ही बनेगा विकसित भारतः श्रम मंत्री

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। देश की शिक्षा बेहतर से बेहतर बनाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में नई शिक्षा नीति लागू की है। प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की भी सोच यही है कि हमारे प्रदेश के बच्चे बेहतर शिक्षा प्राप्त करके अच्छे नागरिक बनें और देश की सेवा करें। इसके लिए आज से प्रदेश सहित कोरबा जिले के सभी 248 संकुल स्तर पर मेगा पालक-शिक्षक बैठक आयोजित की गई है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने 2047 तक विकसित भारत बनाने का लक्ष्य रखा है। शिक्षा के स्तर में सुधार होने पर ही हमारा देश विकसित भारत बन पाएगा। उक्त उद्‌गार वाणिज्य, उद्योग, व्यापार एवं श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन ने मंगलवार को कोरबा के शासकीय कन्या शाला विद्यालय में आयोजित संकुल स्तरीय मेगा पालक-शिक्षक बैठक में व्यक्त किए।

श्री देवांगन ने कहा कि हर एक बच्चा बड़ा होकर आईएएस, आईपीएस, डॉक्टर, इंजीनियर बनने का सपना देखता है। यदि वह मन लगाकर ईमानदारी से मेहनत करता है और अच्छी शिक्षा प्राप्त करता है तो वह अपनी मंजिल पा लेता है। उन्होंने कहा कि स्कूल की शिक्षा के साथ ही पालक अपने बच्चों को घर पर पढ़ाएं। अपने बच्चों को पढ़ाने के लिए ज्यादा समय दें। बच्चा जितना शिक्षित होगा, हमारा देश उतना ही आगे बढ़ेगा। प्राइवेट स्कूलों में फीस महंगी होती है, जहां पर सभी बच्चों का पढ़ना संभव नहीं हो पाता। इसलिए छत्तीसगढ़ शासन-प्रशासन के द्वारा मानक स्तर की अच्छी स्कूलों की व्यवस्था की जा रही है। भारत सरकार और छत्तीसगढ़ सरकार के द्वारा शिक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए सतत् प्रयास किए जा रहे हैं। स्कूलों में छात्रों को छात्रवृत्ति, पुस्तकें, गणवेश, कम्प्युटर शिक्षा आदि सुविधाएं दी जा रही है, जिसके माध्यम से पिछड़े वर्ग के बच्चे भी आईएएस बन रहे हैं। इन शिक्षा सुविधाओं का लाभ लेने के लिए पालक और शिक्षक अन्य लोगों को भी प्रेरित करें। मंत्री श्री देवांगन ने एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत विद्यालय परिसर में पौधरोपण किया तथा सभी को पौधरोपण हेतु प्रेरित किया।

लक्ष्मी राजवाड़े भी हुई शामिल

बच्चों के अच्छे रिजल्ट और भविष्य के लिए शिक्षक और अभिभावक दोनों ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस आशय के विचार महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने मेगा पैरेंट्स टीचर सम्मेलन व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि हम अभिभावकों को बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए शिक्षकों से बीच-बीच में मिलकर उनके बारे में जानकर चर्चा करते रहना चाहिए। श्रीमती राजवाड़े सूरजपुर जिला के ग्राम चांदनी बिहारपुर के स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यमिक शाला में आयोजित मेगा पैरेंट्स टीचर सम्मेलन में शामिल हुई। उन्होंने वहां शिक्षकों एवं अभिभावकों से नई शिक्षा नीति 2020 पर चर्चा की। श्रीमती राजवाड़े अचानक बच्चों की कक्षा में पहुंची और बच्चों से उनकी पढ़ाई से जुड़े सवाल जवाब किए।

नेताम ने केन्द्रीय मंत्री जुएल ओराम से मिलकर दिया 200 करोड़ से ज्यादा का प्रस्ताव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन के आदिम जाति, अनुसूचित जाति, अन्य पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक विकास मंत्री रामविचार नेताम ने मंगलवार को अपने दिल्ली प्रवास के दौरान केन्द्रीय जनजाति कार्यमंत्री जुएल ओराम से सौजन्य मुलाकात की। उन्होंने केन्द्रीय मंत्री श्री ओराम से छत्तीसगढ़ में अनुसूचित जाति-जनजाति सहित कमजोर व पिछड़े वर्गों के विकास के संबंध में विस्तार से चर्चा की।

आदिम जाति मंत्री श्री नेताम ने इस दौरान केन्द्रीय जनजातीय कार्य मंत्री श्री जुएल ओराम से प्रधानमंत्री आदि आदर्श ग्राम योजना के तहत वर्ष 2022-23 शेष राशि 74 करोड़ 69 लाख 27 हजार रूपए जारी करने का अनुरोध किया। इस योजना के लिए वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए 1653 करोड़ 71 लाख 20 हजार रूपए का प्रावधान किया गया था।

मंत्री श्री नेताम ने इस मौके पर केन्द्रीय मंत्री श्री ओराम से आदिवासी उप योजना के विशेष केन्द्रीय सहायता योजना के तहत 162 करोड़ रूपए और छत्तीसगढ़ राज्य में संचालित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों में गुणात्मक शिक्षा के लिए 55 करोड़ 14 लाख 35 हजार रूपए के प्रस्तावों को वर्ष 2024-25 में शामिल कर स्वीकृति प्रदान करने का भी अनुरोध किया।

मंत्री श्री नेताम ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा विशेष तौर पर बस्तर संभाग के माओवाद से प्रभावित पांच जिलों में चलाए

जा रहे नियद नेल्लानार योजना, प्रदेश के विशेष पिछड़ी जनजातीय समुदाय को समाज की मुख्यधारा में लाने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मंशा अनुरूप संचालित प्रधानमंत्री जनमन योजना की प्रगति सहित इन वर्गों के लिए केन्द्र और राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाओं के बारे में भी जानकारी दी। राज्य के कृषि मंत्री श्री नेताम ने नई दिल्ली स्थित कृषि भवन में केंद्रीय राज्यमंत्री रामनाथ ठाकुर से सौजन्य मुलाकात की।

मंत्री नेताम ने इस दौरान छत्तीसगढ़ में दलहन, तिलहन, बागवानी फसल को बढ़ावा देने के साथ ही कृषि एवं किसान कल्याण से जुड़े अन्य विषयों पर चर्चा की। इस मौके पर केन्द्रीय कृषि मंत्री ने छत्तीसगढ़ में खाद-बीज उपलब्धता की जानकारी प्राप्त की। केंद्रीय मंत्री श्री ठाकुर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में किसानों व कृषि क्षेत्र का हित सर्वोपरि है। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार की ओर से छत्तीसगढ़ को हरसंभव मदद मिलेगी।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950